RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः336, बुधवार, 21 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नगर निगम के नवनियुक्त नगर आयुक्त को महापौर द्वारा किया गया सम्मानित 03

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर एसएसबी ने निकाली तिरंगा यात्रा 04

गांधी टॉक्स में काम करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचकः अदिति राव हैदरी 07

इंजीनियर मौत मामले में एमजेड विश्टाउन कंपनी का मालिक बिल्डर अभय सिंह अरेस्ट

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में 27 वर्षीय इंजीनियर युवराज मेहता की दर्दनाक मौत मामले में पुलिस ने आरोपी बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया है। बिल्डर अभय सिंह एमजेड विश्टाउन

के मालिक हैं। एफआईआर में दो बिल्डर एमजेड विश्टाउन और लोटस ग्रीन को नामजद किया गया है। नालेज थाना पार्क पुलिस ने ये कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले में सोमवार को आईएएस अफसर लोकेश एम. को नोएडा प्राधिकरण के मुख्य अधिशासी अधिकारी के पद से हटा दिया था। उनको वेटिंग में रखा गया है।

तीन दिन से धरने पर बैठे अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस

- मेला प्राधिकरण ने कहा- 24 घंटे में साबित करें कि आप शंकराचार्य हैं

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में रथ रोकने के विरोध में धरने पर बैठे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला प्रशासन ने नोटिस जारी किया है। मेला प्राधिकरण ने उन्हें 24 घंटे में यह साबित करने को कहा है कि वे

ही असली शंकराचार्य हैं।

सोमवार रात 12 बजे कानूनगो अनिल कुमार माघ मेला में शंकराचार्य के शिविर पहुंचे। उन्होंने शंकराचार्य के शिष्यों से नोटिस लेने के लिए कहा। शिष्यों ने नोटिस लेने से मना कर दिया। कहा- इतनी रात में कोई नहीं हैं। सुबह आइएगा। कानूनगो अनिल कुमार मंगलवार सुबह फिर शंकराचार्य शिविर पहुंचे। वहां गेट पर नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है। दरअसल, ज्योतिषपीठ में शंकराचार्य की पदवी को लेकर अविमुक्तेश्वरानंद और वासुदेवानंद के बीच विवाद है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

खाटूश्यामजी से लौट रहे मां-बेटे और बहू की मौत

- तेज रफ्तार कार कंटेनर में घुसी, 7 गंभीर घायल, दिल्ली हाईवे पर जाम लगा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में हुए एक भीषण एक्सीडेंट में कार सवार मां-बेटे और बहू की मौके पर ही मौत हो गई। खड़े कंटेनर में घुसी कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से खत्म हो गया। एक्सीडेंट में कार सवार 7 लोग गंभीर घायल हुए हैं। इनमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। एक्सीडेंट जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे-48 पर चंदवाजी थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह 11 बजे हुआ। हादसे के कारण कुछ देर के लिए हाईवे पर जाम भी लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की स्पीड ज्यादा थी। कार में सवार महिला और अन्य लोग उसमें ही फंस गए।

दिल्ली की तरफ जा रही थी कार- हीरालाल सैनी ने बताया- हादसा चंदवाजी पुलिया से एक किलोमीटर पहले हाईवे पर बिलपुर में हुआ।

बीजेपी में अब नितिन नबीन युग

नितिन नबीन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। नितिन नबीन भाजपा के निर्विरोध 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में इसका ऐलान किया गया। इस मौके पर पीएम मोदी ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया।

मोदी ने 55 मिनट के भाषण में कहा 'भाजपा ऐसी पार्टी है, जहां लोगों को लगता होगा कि

- पीएम मोदी बोले- मैं कार्यकर्ता, वे मेरे बॉस; अब मेरे काम का आकलन करेंगे
- राजनीति ऐशो-आराम नहीं, तपस्या है : नितिन नबीन

मोदीजी इतनी छोटी उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। हेड ऑफ द गवर्नमेंट बन गए हैं। इन सबसे बड़ी चीज है कि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं। लेकिन मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं, मैं कार्यकर्ता हूं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे।'

अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन ने अपने पहले भाषण में कहा, 'हम ऐसे राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जहां राजनीति सत्ता नहीं, साधना है। राजनीति भोग नहीं, त्याग है। राजनीति ऐशो-आराम नहीं, तपस्या है। राजनीति कोई पदभार नहीं, उत्तरदायित्व है।' नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

पीएम मोदी ने भाजपा अध्यक्ष को पदभार ग्रहण कराया, मिठाई खिलाई, अध्यक्ष के परिवार से भी मिले

नितिन नबीन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को इसका आधिकारिक ऐलान हुआ। इसके बाद पीएम मोदी उन्हें पार्टी अध्यक्ष के दफ्तर लेकर गए। पदभार ग्रहण करवाया। मिठाई खिलाई और उनके परिवार से भी मिले।

राजनीति सत्ता नहीं साधना

हम ऐसे राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जहां राजनीति सत्ता नहीं, साधना है। राजनीति भोग नहीं, त्याग है। राजनीति ऐशो-आराम नहीं, तपस्या है। राजनीति कोई पदभार नहीं, उत्तरदायित्व है।

भाजपा अध्यक्ष बनते ही चुनावी मोड में नितिन नबीन

नबीन ने तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की संभावनाओं पर भी भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और लगन से सभी पांच राज्यों में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने वाले हैं।

नोएडा हादसे को लेकर राहुल गांधी का सरकार पर सीधा हमला

सड़कें, पुल और भ्रष्टाचार जान ले रहे हैं

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में पानी से भरे गड्ढे में गिरकर जान गंवाने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत का मामला बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए नोएडा के सीईओ लोकेश एम को हटा दिया है और एसआईटी का गठन कर पांच दिनों के अंदर रिपोर्ट मांगी है तो वहीं अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कोई जवाबदेही नहीं है।

सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सिलसिलेवार तरीके से राहुल गांधी ने लिखा, सड़कें जान ले रही हैं, पुल जान ले रहे हैं, आग जान ले रही है, प्रदूषण जान ले रहा है, भ्रष्टाचार मार रहा है, उदासीनता मार रही है। भारत का शहरी स्तर पर पतन का कारण धन, प्रौद्योगिकी या समाधान की कमी नहीं है, बल्कि यह जवाबदेही के अभाव के कारण है।

घटना के बाद हरकत में आया प्राधिकरण

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जीएनआईडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एन जी रवि कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सड़कों पर या उसके आसपास के सभी गड्ढों की पहचान करें और उन्हें तुरंत भरें तथा दुर्घटना की आशंका वाले स्थानों को बिना किसी देरी के चिह्नित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि दिशासूचक चिह्न, रिफ्लेक्टर और अवरोधकों सहित आवश्यक सुरक्षा उपाय तीन दिनों के भीतर सभी सड़कों पर लागू किए जाएं।

अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद नपे कर्नाटक के डीजीपी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस डीजीपी (सिविल राइट्स एनफोर्समेंट) को सस्पेंड कर दिया गया है। सोमवार (19 जनवरी) को उनका एक अश्लील वीडियो सामने आया था, जिसके बाद सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है।

वायरल वीडियो में डीजीपी के. रामचंद्र राव कई महिलाओं के साथ आपत्तिजनक हालत में दिख रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद सीएम सिद्धरमैया ने कहा था कि अगर अधिकारी दोषी पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी।

गृहमंत्री के घर से निकलने के बाद डीजीपी ने पत्रकारों से कहा था कि वीडियो झूठा और मॉर्फ्ड है। उन्होंने कहा कि आगे के एक्शन के बारे में वकील से बात करेंगे। राव ने अश्लील तरीके से काम किया है।

तमिलनाडु गवर्नर का बिना स्पीच दिए विधानसभा से वॉकआउट

कहा- राष्ट्रगान का फिर अपमान हुआ, सीएम स्टालिन बोले- ये असेंबली की बेइज्जती

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में फिर हाईलेवल ड्रामा हुआ। राज्यपाल आरएन रवि एक बार फिर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए स्पीच दिए बिना ही असेंबली से बाहर चले गए।

पिछले सालों की तरह गवर्नर ने कहा कि तमिल गान के बाद राष्ट्रगान बजाया जाए। लेकिन स्पीकर अप्पावु ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद गवर्नर रवि शुरुआती भाषण पढ़े बिना ही विधानसभा से बाहर चले गए। इससे पहले 2024-25 में भी वे ऐसा कर चुके हैं।राज्यपाल ने आरोप लगाया कि उनके भाषण में रुकावट डाली गई। उन्होंने कहा कि मैं निराश हूं। राष्ट्रगान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। गवर्नर के वॉकआउट के बाद विपक्षी एआईएडीएमके के नेता भी असेंबली से बाहर चले गए और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं तमिलनाडु सीएम ने इसे असेंबली का अपमान बताया है।

लोक भवन बोला- गवर्नर का माइक बंद किया

राज्यपाल के असेंबली से बाहर जाने के बाद लोक भवन ने प्रेस रिलीज जारी की। रिलीज में कहा गया कि एक बार फिर राष्ट्रगान का अपमान किया गया। गवर्नर का माइक बार-बार बंद किया गया। उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

ट्रम्प बोले- ग्रीनलैंड पर पीछे हटने का सवाल नहीं

यह दुनिया की सुरक्षा के लिए जरूरी, ताकत के जरिए ही शांति कायम होगी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को लेकर एक बार फिर सख्त रुख दिखाया है। उन्होंने कहा है कि इस मुद्दे पर पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि ग्रीनलैंड राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। ट्रम्प ने बताया कि इस मुद्दे पर नाटो चीफ मार्क रुटे से उनकी फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई है।

केंद्र का बड़ा कदम- भ्रामक मेडिकल विज्ञापनों के खिलाफ सख्ती

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लोगों को गुमराह करने वाले झूठे और भ्रामक मेडिकल विज्ञापनों के खिलाफ सख्ती बढ़ा दी है। खासकर कैंसर, डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों के 'चमत्कारी इलाज' का दावा करने वाले प्रचार पर अब सीधे कार्रवाई की जाएगी। इस दिशा में गृह मंत्रालय ने एक अहम अधिसूचना जारी की है, जिसके तहत देश के 5 केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों (एलजी) और प्रशासकों को विशेष अधिकार दिए गए हैं। अब ये

उपराज्यपालों को मिले विशेष अधिकार, अब होगी कार्रवाई

अधिकारी ऐसे भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामलों में बिना देरी कार्रवाई कर सकेंगे।

नई व्यवस्था के तहत उपराज्यपाल और प्रशासक संदिग्ध संस्थानों की तलाशी ले सकेंगे, जरूरी दस्तावेज जब्त कर सकेंगे और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। जरूरत पड़ने पर वे गजेटेड अधिकारियों को भी जांच और कार्रवाई के अधिकार सौंप सकेंगे। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार यह व्यवस्था जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, और पुडुचेरी में लागू होगी। राष्ट्रपति के निर्देशों के तहत इन केंद्र शासित प्रदेशों में उपराज्यपाल या प्रशासक अब राज्य सरकार जैसी शक्तियों का इस्तेमाल कर पाएंगे।

यह कार्रवाई ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत की जाएगी।

कानपुर में दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा में हंगामा

नाराज छात्रों ने कंप्यूटर-दरवाजे तोड़े, कहा- सर्वर फाल्ट नहीं, कोई धांधली हुई

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में मंगलवार को दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। सर्वर फॉल्ट के चलते सुबह पहली शिफ्ट की परीक्षा रद्द कर दी गई। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ कर दी। सर्वर रूम में घुसकर छात्रों ने कंप्यूटर, कांच, दरवाजे, कुर्सियां, वायर तोड़ दिए। नाराज छात्रों ने बताया- पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9 बजे से थी, जबकि एंट्री सुबह 8.45 बजे से होनी थी।

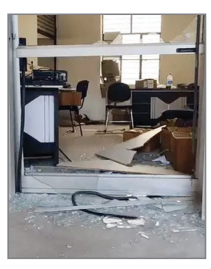

अन्य दो पाली की परीक्षा दूसरे कॉलेज में शिफ्ट की गई

एडीएम नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने परीक्षा करा रही ईडिकुटी संस्था के सिटी हेड शुभम दीक्षित से बात की। शुभम दीक्षित ने बताया- मंगलवार को दिल्ली पुलिस की परीक्षाएं होनी थी, लेकिन टेक्निकल फॉल्ट होने से MGA कॉलेज में परीक्षा नहीं हो सकी। पहली शिफ्ट की परीक्षा को एसएससी द्वारा निरस्त कर दिया गया। इसकी सूचना वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

यूपी में परिवार के 4 लोगों की हत्याकर जान दी

पत्नी, दो बेटे और मां के माथे पर गोली मारी

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर में सरकारी अमीन ने पत्नी, दो बेटों और मां के माथे में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद के सीने और माथे पर गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपनी बहन को एक मैसेज और ऑडियो क्लिप भेजी। इसमें उसने कहा- वह परिवार की हत्या कर चुका है। अब खुद भी जान देने जा रहा है।

पति और पत्नी का शव फर्श पर, जबकि मां और दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे। अमीन के पास तीन तमंचे पड़े मिले। वारदात का पता उस वक्त चला।

राजस्थान में आंधी-बारिश की चेतावनी

विजिबिलिटी 50 मीटर से कम, यूपी के 10 शहरों में घना कोहरा

नई दिल्ली/ लखनऊ/ देहरादून (एजेंसी)। देश के उत्तरी इलाकों में मौसम में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है।

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के आने का अलर्ट है। यहां 5 दिन बाद आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। फिलहाल कई जिले कोहरे की चपेट में हैं, जिसके कारण विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 10 शहरों में कोहरा छाया है। आगरा में ताज महल धुंध में छिप गया है। अगले 5 दिन तक यहां भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लखनऊ, बाराबंकी, हाथरस समेत 5 शहरों में बारिश हुई, जबकि अलीगढ़ और लखीमपुर खीरी में एक दिन पहले ओले भी गिरे। उत्तराखंड के पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में नदी-नाले और झरने जम चुके हैं।

महाराष्ट्र में वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर प्राइवेट बस में आग लगी

मुंबई (एजेंसी)। मलाड इलाके में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर मंगलवार सुबह एक प्राइवेट बस में आग लग गई। इससे कुछ देर के लिए ट्रैफिक रुक गया। हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव की घोषणा, जनवरी लास्ट वीक में होगा इलेक्शन

पटना। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव 2025-26 की घोषणा जनवरी के अंतिम सप्ताह में होगी। पीयू के सीनेट की बैठक में इसपर फैसला होगा। इस बैठक में चुनाव करवाने सहित कई तरह के निर्णय लिए जाएंगे। 12 जनवरी से चुनाव की मांग को लेकर छात्र धरना पर बैठे हुए थे। कुलपति प्रो नमिता ने मुलाकात के बाद पत्र जारी करते हुए जनवरी के अंतिम सप्ताह में छात्र संघ चुनाव की तिथि घोषणा करने की बात कही। कुलपति ने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को पूरा किया जाएगा। शनिवार को धरना पर बैठे छात्रों से विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। कर्मचारी संघ ने छात्रों के जायज मांगों का समर्थन किया था और विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि आंदोलनरत छात्रों से अविलंब वार्ता कर उनकी जायज मांगों की पूर्ति कर आंदोलन को समाप्त कराने की बात कही थी। पीयू में वार्षिक सीनेट की बैठक 30 जनवरी को संभावित है। विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक से पहले सिंडिकेट और एकेडमिक काउंसिल की बैठक होती है। इन दोनों बैठक में लिए गए निर्णय को सीनेट की बैठक में पेश किया जाता है। सिंडिकेट में भी तैयार बजट को रखा जाता है। हालांकि, अभी तक बजट तैयार नहीं किया गया है। दरअसल, बजट वित्तीय परामर्शी के सलाह पर तैयार किया जाता है। वित्तीय परामर्शी प्रवीण कुमार सिंह विश्वविद्यालय के अतिरिक्त प्रभार में हैं। यह वर्तमान में बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में कार्यरत हैं। प्रवीण कुमार विश्वविद्यालय में बहुत कम आते हैं। इस वजह से विश्वविद्यालय में बहुत सारा कार्य लंबित पड़ा है।

बिहार में 6 नई क्षेत्रीय एफएसएल शुरू होंगी, 163 करोड़ के उपकरण की मंजूरी, जल्द ही खरीदारी की जाएगी

पटना। बिहार में अपराध जांच को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य में इस साल 6 नई क्षेत्रीय विधि-विज्ञान प्रयोगशालाएं (FSL) शुरू होंगी। इन प्रयोगशालाओं में मॉडर्न उपकरण स्थापित करने के लिए 163 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। ये नई FSL पूर्णिया, गया जी, बेतिया, छपरा, मुंगेर और सहरसा में स्थापित की जा रही हैं। इन सभी स्थानों पर FSL भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अब उपकरणों की स्थापना प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इन 6 नई FSL में उपकरण लगाने के लिए 163 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को गृह विभाग से स्वीकृति मिल चुकी है। इसे अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजा गया है। यह जानकारी सोमवार को पुलिस मुख्यालय सभागार में अपराध अनुसंधान विभाग (CID) के अपर पुलिस महानिदेशक पारसनाथ ने पीसी में दी। एडीजी पारसनाथ ने बताया कि वर्तमान में पटना के अलावा मुजफ्फरपुर, भागलपुर और राजगीर में

क्षेत्रीय FSL संचालित हैं। दरभंगा और रोहतास में भी FSL शुरू की जानी हैं, लेकिन वहां अभी भवन निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि राजगीर और पूर्णिया FSL के लिए 13 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से उपकरणों की खरीद की जा रही है। इसमें से आधी राशि के उपकरण खरीदे जा चुके हैं, जबकि शेष उपकरण फरवरी तक उपलब्ध हो जाएंगे। एडीजी पारसनाथ ने घोषणा की कि मार्च महीने तक राज्य में साइबर फॉरेंसिक यूनिट भी शुरू कर दी जाएगी। पहले चरण में पटना और राजगीर FSL में साइबर फॉरेंसिक यूनिट स्थापित होंगी। इन यूनिटों के शुरू होने से मोबाइल फोन और कंप्यूटर से जुड़े मामलों की फॉरेंसिक जांच राज्य में ही संभव हो सकेगी, जिससे जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी। अगले चरण में मुजफ्फरपुर और भागलपुर में भी साइबर फॉरेंसिक यूनिट शुरू करने की योजना है, जिसके लिए नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी से करार किया गया है। इसके अलावा पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और राजगीर एफएसएल में एक-एक डीएनए यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव भी गृह विभाग को सौंपा गया है।

बाल विवाह मुक्ति अभियान, 100 दिवसीय विशेष अभियान में संकल्प सभा और प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन

हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर स्थित राजकीयकृत श्री लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय में बाल विवाह से मुक्ति को लेकर चलाए जा रहे 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत एक संकल्प सभा सह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव सह कार्यक्रम निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला, महिला हेल्पलाइन की प्रबंधक प्रियंका कुमारी, महिला विकास निगम की प्रोग्राम ऑफिसर मुक्ति श्रीवास्तव और बाल संरक्षण पदाधिकारी अमूल्य कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. नसीमूल होदा ने की, जबकि अधिकार मित्र संतोष कुमार ने इसका संचालन किया। इस अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत चित्रकला, पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में स्वाति और रानी कुमारी संयुक्त रूप से प्रथम रहीं, जबकि नंदनी कुमारी और मनीषा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर आकिफ शरीफ रहे। निबंध लेखन प्रतियोगिता में सुप्रिया कुमारी और रुपाली संयुक्त रूप से प्रथम रहीं, स्वाति प्रिया द्वितीय और सृष्टि कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। स्लोगन प्रतियोगिता में स्वीटी कुमारी और अंशु कुमारी संयुक्त रूप से प्रथम रहीं, मनीषा द्वितीय तथा अन्नु और आदित्य तृतीय स्थान पर रहे। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव सह कार्यक्रम निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का मुख्य उद्देश्य 2030 तक भारत से बाल विवाह जैसी कुरीतियों को जड़ से समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में बाल विवाह के विरुद्ध समझ विकसित करना और उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाना है। सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। वैशाली में बाल विवाह को रोकने की दिशा में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और संस्थान द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संस्थान ने अब तक जिले में सैकड़ों बाल विवाह, बाल-श्रम और बाल-तस्करी जैसी घटनाओं को रोकने में सफलता प्राप्त की है।

हाजीपुर में कफ सिरप कंपनी पर ताला

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कफ सिरप कंपनी पर ताला लगा दिया गया है। यह कार्रवाई तेलंगाना में कंपनी के कफ सिरप पर प्रतिबंध लगने के बाद की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कंपनी के गेट पर कई दिनों से ताला लटका हुआ है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस दवा कंपनी पर जल्द ही कार्रवाई की जा सकती है। ट्राइडेंट रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड नामक इस उद्योग में बनाए जा रहे सिरप का सैंपल अक्टूबर माह में सेंट्रल ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा लिया गया था। हाल ही में आई रिपोर्ट में 'अल्मोंट-किड' और 'एथिलीन ग्लाइकोल' जैसे घातक रसायनों की मौजूदगी पाई गई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद, केंद्रीय औषधि नियंत्रक ने इस दवा की बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह दवा बच्चों को एलर्जी के लक्षणों जैसे नाक बहना, छींकना, खुजली और आंखों में पानी आने के लिए दी जाती थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, एथिलीन ग्लाइकोल एक अत्यंत विषैला रसायन है, जिसका सेवन बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। इससे पहले, तमिलनाडु में निर्मित एक सिरप में इसी रसायन की मिलावट पाए जाने पर मध्य प्रदेश में कुछ महीने पहले कई बच्चों की मौत का मामला सामने आ चुका है। हाजीपुर की ट्राइडेंट रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनाई गई दवा के एक विशेष बैच एएल-24002 की गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट में गंभीर खामियां मिली हैं। इस बैच में एथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 1.4876 प्रतिशत पाई गई। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तत्व शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि कंपनी की यह दवा बिहार के केवल किशनगंज में बहुत कम मात्रा में सप्लाई की गई थी। लेकिन चूंकि केंद्रीय औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा लिये गये सैंपल में खामी मिली थी, तो केंद्रीय औषधि नियंत्रण द्वारा सभी राज्यों को इस दवा के संबंध में कार्रवाई का निर्देश दिया गया था, उसी निर्देश के आलोक में यह प्रतिबंध लगा है। हालांकि बताया जाता है कि कंपनी द्वारा सप्लाई किये गये इस बैच की दवाओं को वापस लिया जा रहा है।

ट्रक ने साइकिल सवार को कुचला, बच्ची की हुई मौत

एजेंसी, पटना

मुआवजे की मांग पर अड़े परिजन, घंटों रहा सड़क जाम

बिहटा थाना क्षेत्र के विशंभरपुर मोड़ के पास मंगलवार दोपहर ट्रक ने साइकिल सवार को कुचल दिया। इस हादसे में साइकिल पर सवार 5 साल की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बच्ची के नाना भी इस घटना में घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने सड़क जाम कर दी और पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग करने लगे। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बच्ची की मौत से परिवार में गहरा शोक है। मृतक बच्ची की पहचान पवन कुमार की पांच वर्षीय पुत्री आंचल कुमारी उर्फ भोली के रूप में हुई है।

परिवार ने मांगा मुआवजाः बच्ची के पिता पवन कुमार ने बताया कि मेरी बच्ची अपने नाना के साथ साइकिल से नानी घर जा रही थी। तभी हादसा हुआ है। सरकार प्रशासन से मांग है कि हमें मुआवजा दे ताकि परिवार चल सके। जाम की सूचना मिलने पर थाने पुलिस की टीम और दानापुर डीएसपी 2 अमरेंद्र कुमार झा भी मौके पर पहुंचे।

हंगामा कर रहे लोगों को काफी समझाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अस्पताल भेजा गया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि घटना के बाद जाम लग गया था। यातायात को चालू किया गया। फिलहाल फरार ट्रक की तलाश में पुलिस की टीम लगी हुई है।

पटना में 2.97 एकड़ में बनेगा पीएम एकता मॉल

एजेंसी, पटना

- बिहार सहित अन्य राज्यों के पारंपरिक प्रोडक्ट एक ही छत के नीचे मिलेंगे, 5 मंजिला होगी इमारत

पटना में पीएम एकता मॉल (यूनिटी मॉल) का निर्माण किया जाएगा। इसे 2.97 एकड़ भूमि पर अटल पथ के पास बनाया जाएगा। इस प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत 3069.67 वर्गमीटर क्षेत्र में ग्राउंड कवरेज निर्धारित है। मॉल का निर्माण बेसमेंट, ग्राउंड और 5 तल (B+G+5) के रूप में किया जाएगा। इसमें से कुल 19466.1 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र शामिल है।

यूनिटी मॉल का निर्माण 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODP)' योजना के तहत किया जा रहा है। इस मॉल में बिहार के सभी जिलों के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पारंपरिक प्रोडक्ट एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। इससे मार्केटिंग का अवसर प्राप्त होगा, जिससे स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान होगी। पीएम एकता मॉल बेसमेंट सहित ग्राउंड प्लस पांच मंजिला होगा। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने मॉल के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थल की उपलब्धता, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और प्रस्तावित सुविधाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना का निर्माण तय समय-सीमा और गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूरा किया जाए। उन्होंने पर्यावरणीय नियमों के पालन, बेहतर पार्किंग व्यवस्था और आगंतुकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा।

पटना सिटी में स्कूटी सवार को कुचला, मौत

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के बाईपास थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ पर युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र के बटाउ कुआं निवासी 28 वर्षीय मोहम्मद साबिर के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर बाईपास थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक के शव को नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (NMCH) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक के मोबाइल से परिवार वालों को सूचना दीः बाइपास थाना के सब इंस्पेक्टर अनमोल कुमार ने बताया कि रात करीब 11:50 बजे गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ के नजदीक अज्ञात वाहन से एक युवक को कुचलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने युवक के पास मिले मोबाइल से उसके परिजनों को सूचित किया।

'कौन है धीरेंद्र शास्त्री...चोर को कथावाचक बता रहे हो', पप्पू यादव बोले- उसका सनातन से लेना-देना नहीं

एजेंसी, पटना

- एक बाबा ने 300 करोड़ की शादी की

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री को चोर उचक्का बताया है। उन्होंने कहा, 'ये कौन है धीरेंद्र शास्त्री?' जब पत्रकारों ने कहा कि कथावाचक हैं। तब पप्पू यादव ने कहा, 'चोर-उचक्का को कथावाचक बना रहे हो, ओशो हैं क्या, आचार्य राममूर्ति हैं क्या।' दरअसल पटना एयरपोर्ट पर पत्रकार ने धीरेंद्र शास्त्री के हालिया बयान (तिरंगा में चांद आ जाएगा तो देश सुरक्षित नहीं रहेगा) पर उनसे सवाल किया। जिसके बाद सांसद भड़क गए। आगे कहा, 'वो जो हमारे एक बाबा हैं जो बहुत प्यारे हैं, हमेशा हंसते रहते हैं प्रेमानंद बाबा। ऐसे बाबा की इज्जत करो। ये चोर-उचक्का जिसका सनातन से कोई लेना देना नहीं, सनातन का कुछ पता नहीं, उसकी बात करते हो।'

वृंदावन के कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय पर भी तंजः पूर्णिया सांसद ने धीरेंद्र शास्त्री के साथ-साथ वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय पर भी निशाना साधा। 5 दिसंबर को कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय ने हरियाणा की शिप्रा शर्मा के साथ राजस्थान के जयपुर में सात फेरे लिए। इस शादी में काफी खर्च हुआ था। इसमें पंडित धीरेंद्र शास्त्री, कवि कुमार विश्वास समेत 500 वीआईपी शामिल हुए थे। इसे लेकर पप्पू यादव ने कहा, '300 करोड़ का एक बाबा है, अभी राजस्थान में शादी की है। भारत को कृष्णवादी बनने दो, गुरुनानक के पथ पर चलने दो, बुद्ध के पथ पर चलने दो, आंबेडकरवादी बनने दो। भारत को ये ढोंगीवादी क्यों बना रहे हैं आपलोग?'

तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर बना था मंडपः कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय ने जयपुर में शादी की थी। जहां हरिद्वार, नासिक, वृंदावन से आए 101 पंडितों ने वैदिक रीति-रिवाज से फेरे और शादी की रस्में पूरी करवाईं। शादी की मुख्य रस्में करीब 3 घंटे तक चली थीं। तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर बनाए गए विवाह मंडप में कथावाचक देवी चित्रलेखा पति के साथ शामिल हुईं। इसके अलावा साध्वी ऋतंभरा, आचार्य पुंडरीक गोस्वामी, संजीव कृष्ण शास्त्री, अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास समेत कई संत-महंत और सेलिब्रिटी इस शादी में शामिल हुए थे।

बेउर जेल में घर की छत से फेंकते थे गांजा, जेल में बंद कुख्यात कैदियों में करता सप्लाई, 4 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

गांजा, कैश समेत अन्य चीजें जब्त

पटना पुलिस ने बेउर जेल के अंदर गांजा और स्मैक की सप्लाई करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा, नकदी और अन्य सामान बरामद किए हैं। यह गिरोह पटना और आसपास के इलाकों के साथ-साथ जेल के अंदर भी मादक पदार्थों की आपूर्ति करता था। पुलिस ने जेल से सटे एक मकान की पहचान की है, जिसका इस्तेमाल अपराधी जेल के अंदर मादक पदार्थ फेंकने के लिए करते थे।

जेल का कैदी था सप्लायरः जेल के अंदर कैदी विक्की कुमार इस मादक पदार्थ का मुख्य सप्लायर था। वह बाहर से प्राप्त मादक पदार्थों को अन्य कैदियों तक पहुंचाता था। पुलिस ने जेल प्रशासन को चिह्नित मकान पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। साथ ही, जेल प्रशासन को जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने का सुझाव भी दिया गया है। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि बेउर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बेउर अखाड़ा के पास कुछ अपराधी मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर शैलेंद्र मिस्त्री और गोविंद चौधरी नामक दो युवकों को गिरफ्तार किया।

जेल प्रशासन से भी संपर्क करेगी पुलिसः पूछताछ में उन्होंने बताया कि दुल्हिन बाजार के लाल भदसारा निवासी धनंजय कुमार गांजा की सप्लाई करता है। धनंजय की गिरफ्तारी के बाद उसने बताया कि बेउर जेल से सटे घर का मालिक जितेंद्र कुमार इस पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड है।

जितेंद्र के घर की ऊंची छत से बेउर जेल के अंदर गांजा फेंका जाता था। पुलिस ने जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर पूछताछ किया तो जितेंद्र ने बताया कि जेल के अंदर कुख्यात अपराधी विक्की कुमार को वह अपने छत से फेंक कर गांजा की सप्लाई किया करते हैं। सिटी एसपी ने बताया कि यह वही कुख्यात विक्की कुमार अपराधी है, जिस पर एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। इस मामले को लेकर सिटी एसपी ने बताया कि जेल प्रशासन से संपर्क स्थापित किया जा रहा है।

बिहार में अभी ठंड से राहत नहीं, बढ़ेगी कनकनी, 7 जिलों का तापमान 8 डिग्री से कम

एजेंसी, पटना

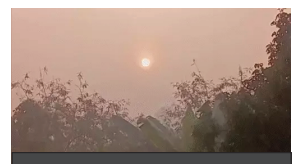

- 6.5 डिग्री के साथ भागलपुर सबसे ठंडा

पटना समेत बिहार के कई जिलों में धूप निकलने से थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन जनवरी के आखिरी हफ्ते तक ठंड से राहत मिलने वाली नहीं है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते प्रदेश में कनकनी बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, पटना, बेगूसराय समेत 9 जिलों में धुंध दिखेगी। पछुआ हवा चलने से ठंड बढ़ सकती है। साथ ही बाकी के जिलों में सुबह में कुहासा रहेगा, लेकिन दिन में धूप खिलने से हल्की राहत मिलेगी।

राज्य के 7 जिलों का टेंपरेचर 8 डिग्री से कम है। बीते 24 घंटे में 14 जिलों का तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। 6.2 डिग्री सेल्सियस के साथ भागलपुर का सबौर सबसे ठंडा रहा। नालंदा में 7.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसमः मौसम विभाग के अनुसार, 21 तारीख को 4 से 5 जिलों में घना कुहासा दिखेगा। जिसके बाद आने वाले 6 दिनों तक ठंड सामान्य रहेगी। फिलहाल तापमान में एक से 2 डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। 20-21 जनवरी के बाद उत्तर-पश्चिम दिशा से ठंडी और शुष्क हवाओं के तेज होने की संभावना है। इन हवाओं के सक्रिय होते ही न्यूनतम तापमान में फिर गिरावट दर्ज की जा सकती है। पटना में आज सुबह और देर रात कुहासा छाया रहेगा। 11 से 12 डिग्री तक न्यूनतम तापमान रहेगा। वहीं, अधिकतम तापमान 23 से 24 डिग्री तक रहेगा। राजधानी में फिलहाल ठंड ज्यादा नहीं है। लगातार दिन में धूप निकलने से कनकनी कम हो गई है। 24 घंटे में पटना का न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस था।

पटना-1 साल के बच्चे का कटा मिला सिर, धड़ को तलाश रही पुलिस

ग्रामीणों ने जताई नरबलि की आशंका, एसआईटी करेगी जांच

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा में सोमवार की रात कच्ची दरगाह स्थित मजार के पीछे गंगा नदी की ओर जाने वाली ढलाई सड़क से पुलिस ने 1 साल के बच्चे का कटा सिर बरामद किया है। बच्चे के सिर पर ग्रामीणों की पहले नजर पड़ी थी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय ग्रामीण नरबलि की आशंका जता रहे हैं। पुलिस के अनुसार मासूम की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई। साक्ष्य मिटाने के लिए शव को गंगा नदी के किनारे फेंक दिया गया, जहां से आवारा कुत्ते सिर वाले हिस्से को खींचकर मुख्य सड़क तक ले आए। पुलिस को अभी धड़ नहीं मिला है।

सिर को किसी धारदार हथियार से धड़ से अलग किया गया है। कान और बालों पर ताजे खून के धब्बे लगे हुए थे और चेहरे पर मिट्टी लिपटी हुई थी। घटना नदी थाना क्षेत्र की है।

पुलिस पहचान में जुटीः मौके पर मौजूद भीड़ के बीच यह चर्चा आम रही कि मासूम को किसी तांत्रिक क्रिया या अंधविश्वास के कारण 'नरबलि' का शिकार बनाया गया है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी इस तरह की बात नहीं की जा रही है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। FSL की टीम ने की जांच की है। बच्चे की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। नदी थाना के अपर थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि शव के अवशेष को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि हत्या कब और किस प्रकार की गई है।

जेवर से भरे बैग लूट ले गए बदमाश विरोध करने पर चलाई गोली

एजेंसी, पटना

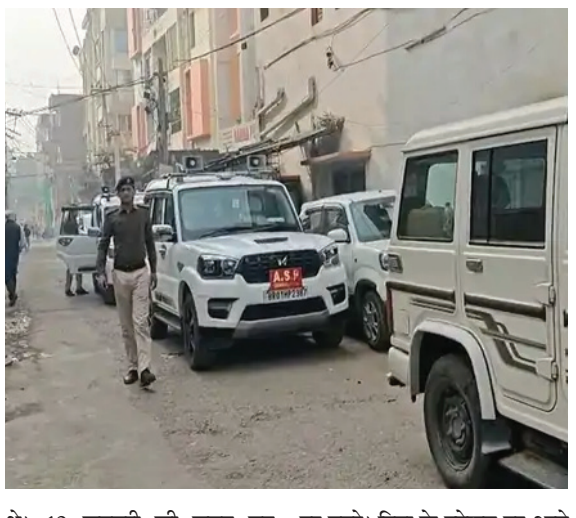

- सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके में लूट हुई है। बदमाशों ने राजेंद्र नगर मेन रोड के पास हथियार के बल पर जेवर से भरे बैग कारोबारी से लूट लिए। बैग में 20 लाख के जेवर थे। फायरिंग भी की गई है। हालांकि कारोबारी बाल-बाल बच गए।

पीड़ित कारोबारी रवि कुमार ने चित्रगुप्त नगर थाने में शिकायत की गई है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान में जुटी है।

पिता को रेलवे स्टेशन से रिसीव करने गए थेः पीड़ित वैशाली के हाजीपुर में रहते हैं। हाजीपुर में ही उनकी सोने की 3 दुकानें हैं। उनके पिता आभूषण लाने के लिए कोलकाता गए हुए थे। 18 जनवरी की सुबह वह दानापुर हावड़ा एक्सप्रेस से राजेंद्र नगर टर्मिनल पर पहुंचे। उनके साथ 2 बैग था। एक कर्मी भी था। कर्मी के साथ वे दोनों बैग लेकर स्टेशन पर उतरे। पिता के स्टेशन पर आने के बाद रवि रिसीव करने के लिए कार से पहुंचे थे। जैसे ही वह आगे बढ़े देखा कि हथियार से लैस अपराधी पिता के साथ लूटपाट कर रहे थे। वह उनसे दोनों बैग लूटने का प्रयास कर रहे थे। वह मौके पर पहुंच और इसका विरोध करने लगे। अपराधियों ने लूटपाट का विरोध करने पर रवि पर फायरिंग कर दी।

गोली उनके बगल से गुजर गई। अपराधियों की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच बताई गई, जो हेलमेट पहने हुए थे। अपराधियों ने दूसरी बाद फायरिंग का प्रयास किया, तब मैगजीन ही गिर गई। तब अपराधियों ने पिस्टल के बट से रवि के सिर पर हमला कर दिया। एक बैग लूटकर सभी फरार हो गए।

संक्षिप्त समाचार

शराब सेवन के आरोप में 10 गिरफ्तार, पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शराबबंदी कानून के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोतिहारी पुलिस द्वारा लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को रामगढ़वा एवं पिपराकोठी थाना क्षेत्र में दिवा गश्ती के दौरान शराब का सेवन करने के आरोप में कुल 10 व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। सभी गिरफ्तार आरोपी पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले के निवासी बताए गए हैं। पुलिस द्वारा मामले में संबंधित धाराओं के तहत कांड दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मोतिहारी पुलिस ने दो टूक शब्दों में कहा है कि शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी.बी.सी.एस.) प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2025–29 की परीक्षा दिनांक 15 जनवरी 2026 से प्रारंभ हुई है। इस क्रम में मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी को एल.एन.डी. कॉलेज, मोतिहारी एवं एम.एस.एस.जी. कॉलेज, अरेराज के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। दिनांक 20 जनवरी 2026 को परीक्षा के पाँचवें दिन मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में एम.डी.सी. ग्रुप–सी के अंतर्गत उर्दू, मनोविज्ञान एवं इतिहास विषयों की परीक्षा संपन्न हुई, जिसमें कुल 932 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में एम.डी.सी. ग्रुप–डी के अंतर्गत राजनीति विज्ञान, इकोनॉमिक्स, अंग्रेजी एवं केमिस्ट्री विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 936 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा कदाचार-मुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की शुचिता एवं सुचारु व्यवस्था बनाए रखने हेतु सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

अग़वा छात्रा सकुशल बरामद, दो अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। तुरकौलिया थाना अंतर्गत कांड संख्या–36/26 (पोक्सो एक्ट), दिनांक 19 जनवरी 2026 को दर्ज मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अग़वा छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया है। इस कांड में नामजद दो अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राज कुमार, पिता–रमेश चौधरी एवं कारण कुमार, पिता–स्व. उमेश चौधरी, दोनों निवासी–कोरैया, थाना–तुरकौलिया, जिला–पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार आरोप है कि अभियुक्तों ने वादिनी की पुत्री को स्कूल से घर लौटने के दौरान अपहरण कर लिया था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छात्रा को बरामद किया और दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध पोक्सो अधिनियम सहित संबंधित धाराओं के तहत अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नाबालिगों से जुड़े अपराधों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल और घोड़ासाहन से मोतिहारी तक तस्करी बदस्तूर जारी, वर्दी पर भी सवाल

सागर सूरज

मोतिहारी। भारत–नेपाल की खुली सीमा एक बार फिर सवालों के घेरे में है। पूर्वी चंपारण के घोड़ासाहन इलाके से सामने आई ताज़ा घटना ने यह उजागर कर दिया है कि सीमा पर तस्करी का नेटवर्क न सिर्फ सक्रिय है, बल्कि कथित तौर पर स्थानीय सुरक्षा तंत्र की शह पर बदस्तूर जारी है।

कनुनिया पोखर के पास ढाका रोड पर कद्दू बीज से लदी 407 पिकअप का अनियंत्रित होकर पलटना इसी काले खेल की नई कड़ी मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि यह बीज नेपाल से अवैध रूप से भारत लाया गया था और मोतिहारी भेजा जा रहा था। हैरानी की बात यह रही कि स्थानीय थाना पहुंचने के बाद भी माल को दूसरी पिकअप पर लादकर आगे रवाना कर दिया गया।

यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले श्रीपुर सुधा डेयरी के पास ग्रामीणों ने चाइनीज लहसुन से लदी संदिग्ध पिकअप पकड़ी थी। ग्रामीणों ने वाहन थाने को सौंपा, लेकिन कुछ ही घंटों बाद वह रहस्यमय तरीके से गायब हो गया।

आरोप है कि पुलिस क़ी और तस्करों क़ी मिली भगत थी। समाचार प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने एक संदेहास्पद बिल प्रस्तुत किया था. लेकिन चीनी लहसुन नेपाल से किस कागजात पर आयी यह स्पष्ट नहीं हो सका। स्थानीय दुकानदार क़ो यह सामान किससे मिला उसका बिल भी जाँच के दायरे में होना चाहिए था. कुल मिला कर घोड़ासाहन थाना क़ी भूमिका पूरी तरह संदिग्ध बताई जा रही।

सूत्रों के अनुसार, चीनी लहसुन और कद्दू बीज—दोनों एक ही तस्कर सिंडिकेट के बताए जा रहे

हैं। इस नेटवर्क का मॉडस ओपेरेंडी भी एक जैसा है—नेपाल से सामान कैरियर के माध्यम से सीमाई 'नो मैन' लैंड' के आसपास भारतीय गांवों में उतारना, फिर किसी भारतीय दुकान से फर्जी बिल बनवाकर मोतिहारी व अन्य जिलों में खपाना।

सवाल यह है कि पुलिस कभी बिल जारी करने वाले दुकानदारों से यह क्यों नहीं पूछती कि माल कहां से खरीदा गया? अगर आयात वैध है, तो कस्टम और नेपाल पक्ष के दस्तावेज़ कहां हैं?

कद्दू बीज मामले पर सीकरहना डीएसपी उदय कुमार और घोड़ासाहन थाना प्रभारी संजीव कुमार से संपर्क की कोशिशें की गईं, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

जानकारों का कहना है कि सिंडिकेट ने रूट के संबंधित अधिकारियों को कथित रूप से प्रभाव में ले रखा है, तभी तो माल कहीं बाधित नहीं होता।

यह मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि कुछ महीने पहले इसी सीमा क्षेत्र से लहसुन की आड़ में चरस तस्करी पकड़ी गई थी, जिसे सशस्त्र सीमा बल ने बरामद किया था। उधर, मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात भ्रष्टाचार पर सख्त रुख के लिए जाने जाते हैं; हाल में उगाही के ऑडियो वायरल होने पर कार्रवाई भी हुई है।

घोड़ासाहन प्रकरण अब उसी सख्ती की अग्निपरीक्षा है। क्या निष्पक्ष जांच होगी? सीमा पर कानून की विश्वसनीयता तभी लौटेगी, जब कार्रवाई बिना भेदभाव होगी—चाहे तस्कर हों या वर्दी वाले।

नगर निगम के नवनियुक्त नगर आयुक्त को महापौर द्वारा किया गया सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम के नवनियुक्त नगर आयुक्त आशीष कुमार का मंगलवार को महापौर प्रीति कुमारी द्वारा निगम के पार्षदगणों की गरिमामयी उपस्थिति में एक अनौपचारिक मुलाकात के दौरान उनको सम्मानित किया गया। यह भेंट सौहार्दपूर्ण, सकारात्मक एवं सहयोगात्मक वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर नगर के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। महापौर प्रीति कुमारी ने नगर आयुक्त को उनके नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में मोतिहारी नगर निगम विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। वहीं नगर आयुक्त आशीष कुमार ने भी नगर के सुनियोजित विकास, पारदर्शी प्रशासन तथा नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से जनहित में कार्य करने की बात कही। यह मुलाकात नगर निगम के सशक्त समन्वय, बेहतर प्रशासनिक कार्यप्रणाली तथा भावी विकास योजनाओं की दिशा में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी पहल के रूप में देखी जा रही है।

सरस्वती पूजा से पहले मूर्तिकारों की दुनिया में रंग, श्रम और आस्था का संगम

बीएनएम @ मोतिहारी @ अवनीश कुमार सिंह

सुबह की हल्की ठंड और गीली मिट्टी की सोंधी खुशबू के बीच मूर्तिकारों की बस्तियों में इन दिनों खास चहल-पहल है। सरस्वती पूजा नजदीक आते ही देवी प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम तेज हो गया है। किसी को देवी के चेहरे पर सौम्य मुस्कान उकेरनी है, तो कोई वीणा के तारों को रंगों से जीवंत कर रहा है। हर कूची की हरकत में कला के साथ आस्था भी घुली हुई है। मूर्तिकारों की कार्यशालाओं में सुबह से देर रात तक काम चलता है। मिट्टी से बनी प्रतिमाएं अब रंग-रोगन के दौर से गुजर रही हैं। सफेद साड़ी पर हल्के रंग, कमल पर गुलाबी आभा और चेहरे पर शांति का भाव, हर छोटी बारीकी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कई कारीगर बताते हैं कि देवी सरस्वती की प्रतिमा सबसे कठिन होती है, क्योंकि इसमें सौंदर्य से ज्यादा भाव की जरूरत होती है।

मूर्तिकारों के लिए यह समय केवल काम का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का भी है। स्कूलों, कॉलेजों और पूजा समितियों से लगातार ऑर्डर आ रहे हैं। बढ़ती महंगाई के बावजूद वे कोशिश करते हैं कि प्रतिमाओं की कीमत आम लोगों की पहुंच में रहे। कई परिवारों में यह काम पीढ़ियों से चला आ रहा है, बुजुर्ग अनुभव देते हैं, युवा हाथ रंग भरते हैं और बच्चे उत्सुकता से देवी को निहारते रहते हैं। एक मूर्तिकार ने कहा कि सरस्वती पूजा उनके लिए सिर्फ रोजगार नहीं, बल्कि साल की सबसे पवित्र घड़ी होती है। जब पूजा के दिन वही प्रतिमा ज्ञान की देवी के रूप में प्रतिष्ठित होती है, तो सारी थकान अपने आप मिट जाती है। रंग, मिट्टी और विश्वास के इसी मेल से हर साल सरस्वती पूजा की तैयारियां जीवंत हो उठती हैं।

जिलाधिकारी ने किया गांधी संग्रहालय का निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा मंगलवार को सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं सहायक समाहर्ता प्रिया रानी के साथ मोतिहारी स्थित गांधी संग्रहालय का निरीक्षण किया गया। गांधी संग्रहालय के जीर्णोद्धार का कार्य पूर्ण हो चुका है। गांधी संग्रहालय के प्रथम तल पर पुस्तकालय सह वाचनालय की स्थापना करने एवं इसका शुभारंभ गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2026 से कराने का निर्देश सामान्य शाखा के प्रभारी पदाधिकारी निधि को दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को यहां पर एक लाइब्रेरियन की प्रतिनियुक्ति करने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि इस लाइब्रेरी में गांधी जी से संबंधित पुस्तकें, साहित्य की पुस्तकें, मैगजीन, न्यूजपेपर आदि रहनी चाहिए जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि लाइब्रेरी में निःशुल्क व्यवस्था रखी जाए ताकि प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले स्कूली बच्चों को भी इसका लाभ मिले। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चे स्कूल के द्वारा निर्गत परिचय पत्र के साथ पुस्तकालय में आएंगे एवं पुस्तकालय का लाभ उठाएंगे। जिलाधिकारी के द्वारा मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में भी एक लाइब्रेरी के संचालन की व्यवस्था शीघ्र करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के साथ सामान्य शाखा की प्रभारी पदाधिकारी निधि भी उपस्थित थीं।

बेतिया राज की ज़मीन पर सरकार-किसान आमने-सामने, इतिहास के फैसले ने आज खड़ा किया हाहाकार

सागर सूरज

मोतिहारी/बेतिया : बेतिया राज की ज़मीन को लेकर पश्चिम चंपारण में हालात दिन-प्रतिदिन विस्फोटक होते जा रहे हैं। हाल ही में बिहार सरकार द्वारा पारित 'बेतिया राज संपत्ति (अधिग्रहण) विधेयक 2024' के बाद सरकार ने ऐतिहासिक बेतिया राज की शेष ज़मीनों को अपनी संपत्ति घोषित कर दिया है। इसके साथ ही जिन इलाकों में दशकों से लोग मकान बनाकर रह रहे थे, वहां प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बुलडोज़र की गड़गड़ाहट ने किसानों और ग्रामीणों के बीच भारी आक्रोश पैदा कर दिया है।

सरकार की कार्रवाई केवल हालिया कब्ज़ों तक सीमित नहीं है। प्रशासन ने उन जमीनों की जमाबंदी भी रद्द कर दी है, जो ब्रिटिश काल में कर्ज के बदले नीलाम होकर अंग्रेजों के हाथों में गई थीं और बाद में कोठी मालिकों के जरिए किसानों को बंदोबस्ती के रूप में दी गई थीं।

सरकार का साफ रुख है कि वर्ष 1896 के बाद की किसी भी बंदोबस्ती को मान्यता नहीं दी जाएगी। यही कारण है कि नीलामी वाली भूमि पर भी प्रशासन अपनी दावेदारी जता रहा है।

इतिहास पर नजर डालें तो 1870 के आसपास बेतिया के महाराजा ने एक ब्रिटिश फाइनेंसर से लगभग 84 लाख रुपये का कर्ज लिया था। कर्ज न चुका पाने की स्थिति में लगभग एक लाख एकड़ ज़मीन ब्रिटिश नील बागान मालिकों को हस्तांतरित कर दी गई।

1893 में अंतिम महाराजा हरेंद्र

किशोर सिंह की मृत्यु के बाद, 1897 में पूरी संपत्ति Court of Wards के नियंत्रण में चली गई। 1896 से 1920 के सर्वे के दौरान बड़े पैमाने पर ज़मीन अंग्रेजों और उनके समर्थक जमींदारों के हाथों में चली गई, जिसने आगे चलकर आज के विवाद को जन्म दिया।

स्वतंत्रता के बाद समय-समय पर बिहार सरकार ने इन जमीनों को अपने अधीन लेने के लिए कानून बनाए, लेकिन मौजूदा विधेयक ने हजारों परिवारों की जमीन-मकान पर सीधा असर डाला है।

किसानों का कहना है कि वे पीढ़ियों से इन जमीनों पर काबिज हैं और अचानक उन्हें अवैध घोषित करना अन्याय है।

इसी आक्रोश के बीच अब किसान आपसी झगड़ों से ऊपर उठकर सरकार के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। सुभाष कुशवाहा और पुष्पेंद्र द्विवेदी जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीमें गांव-गांव जाकर जन-जागरण अभियान चला रही हैं।

उनका कहना है कि यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं, बल्कि इतिहास, न्याय और आजीविका की है। बेतिया राज की जमीन का यह विवाद अब एक बड़े जनांदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में मंगलवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. रवि भूषण श्रीवास्तव ने की। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस.एन. सत्यार्थी, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसी आरबीएसके डॉ. शशि मिश्रा, डीसी आईसीडीएस कामरान आलम सहित जिले के 27 प्रखंडों में कार्यरत 42 चलंत चिकित्सा दलों के चिकित्सा पदाधिकारी, फार्मासिस्ट एवं एएनएम उपस्थित रहे। सिविल सर्जन डॉ. रवि भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 44 नए चिकित्सा पदाधिकारियों ने योगदान दिया है, जिससे बच्चों की स्वास्थ्य जांच और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। उन्होंने सभी टीमों को नियमित व गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस.एन. सत्यार्थी ने कहा कि जब भी चिकित्सक आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की स्वास्थ्य जांच के लिए जाएं, तो वहां उपस्थित गर्भवती महिलाओं को भी गर्भावस्था के दौरान चार एएनसी जांच अस्पताल में कराने के लिए प्रेरित करें। साथ ही गर्भावस्था की पहली तिमाही में फोलिक एसिड लेने की सलाह देना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने जानकारी दी कि सदर अस्पताल में पोषण पुनर्वास केंद्र संचालित है, जहां अति कुपोषित बच्चों का समुचित इलाज किया जाता है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को जागरूक कर ऐसे बच्चों को केंद्र तक लाने से भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। बैठक के दौरान डीसी आरबीएसके डॉ. शशि मिश्रा ने वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट कार्य करने वाली टीमों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किए जाने की जानकारी दी। सबसे अधिक बच्चों की जांच के लिए आरबीएसके टीम ढाका, जिला अस्पताल में सर्वाधिक रेफरल के लिए आरबीएसके टीम मोतिहारी तथा दिल के छेद के अधिक मरीजों की पहचान के लिए आरबीएस के टीम बंजरिया को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा मेहसी के प्रखंड अनुश्रवण पदाधिकारी विपुल कुमार, एम्बुलेंस 102 के अधिकारी शुभम राणा, मलेरिया एफएलए चंद्रभानु सिंह, सदर अस्पताल के प्रमोद कुमार एवं जौवाद हुसैन को भी बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

सरस्वती पूजा में डीजे प्रतिबंध का उल्लंघन, जिलेभर में 200 डीजे जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी

सरस्वती पूजा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा डीजे एवं एम्पलीफायर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद कुछ स्थानों पर नियमों की अनदेखी किए जाने पर मोतिहारी पुलिस प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान जिलेभर से कुल 200 डीजे एवं एम्पलीफायर जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पूजा के दौरान शांति भंग होने से रोकने के उद्देश्य से की गई। पुलिस प्रशासन के अनुसार छतौनी थाना क्षेत्र से 10, छौड़ादानो थाना से 7, कल्याणपुर थाना से 6, पलनवा थाना से 5, घोड़ासहन थाना से 9, अरेराज थाना से 5, बिजधारी थाना से 4 तथा झरोखर थाना से 2 डीजे जब्त किए गए। इसके अलावा अन्य थाना क्षेत्रों में भी डीजे और साउंड सिस्टम जब्त किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि डीजे प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। नियम तोड़ने पर न केवल डीजे जब्ती बल्कि संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे धार्मिक आयोजनों के दौरान नियमों का पालन करें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

झरोखर लूट कांड का मुख्य लाइनर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी : झरोखर थाना कांड संख्या–08/26 (लूट) में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। इस मामले में लूट की घटना में लाइनर की भूमिका निभाने वाले अभियुक्त मंतोष कुमार, पिता–विश्वनाथ प्रसाद, निवासी–खड़सलवा, थाना–झरोखर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अनुसंधान में खुलासा हुआ है कि अभियुक्त मंतोष कुमार ने घटना से एक दिन पूर्व लूट की साजिश रची थी। वादी के पैसे लेकर निकलते ही उसने अन्य अपराधियों को सूचना दी, जिसके बाद लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। तकनीकी अनुसंधान के दौरान इस कांड में रंजन कुमार, पिता–लालबाबू प्रसाद, ग्राम–खड़सलवा तथा मोनी कुमार, पिता–श्यामनंदन प्रसाद, निवासी–कवैया की संलिप्तता भी पाई गई है। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मोतिहारी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और लूट जैसे गंभीर अपराधों में शामिल किसी भी अभियुक्त को बख्शा नहीं जाएगा।

तुरकौलिया में 10वीं की छात्रा अपहरण मामले का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, छात्रा बरामद

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में 10वीं कक्षा की छात्रा के अपहरण के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने अपहर्ता को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं अपहृत छात्रा को भी सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तुरकौलिया निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। मामले को लेकर छात्रा की मां ने तुरकौलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पीड़िता की मां ने बताया था कि उसकी पुत्री स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद जानकारी मिली कि राजकुमार ने उसकी पुत्री का अपहरण कर लिया है। जब वह युवक के घर जाकर अपनी बेटी के बारे में पूछताछ करने पहुंची, तो परिजनों ने अभद्र व्यवहार करते हुए कहा कि उसकी पुत्री इस दुनिया में नहीं है और जो करना है कर लो। आरोप है कि शिकायत करने की बात कहने पर परिजनों ने लाठी-डंडे से मारपीट कर गाली-गलौज करते हुए उसे भगा दिया। इसी बीच कुछ दिनों बाद सूचना मिली कि छात्रा सेमरा एनएच पर देखी गई है। सूचना मिलने पर पीड़िता की मां निजी वाहन से वहां पहुंची। लोगों की भीड़ देखकर आरोपी राजकुमार छात्रा को छोड़कर भागने लगा, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से पकड़ लिया गया। छात्रा को भी मौके से बरामद कर लिया गया। इसकी सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी तथा बरामद छात्रा को थाना लाई। इस संबंध में थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बरामद छात्रा का बयान माननीय न्यायालय में दर्ज कराया जा रहा है तथा मेडिकल जांच भी कराई जा रही है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

शराब कांड का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पिपराकोठी थाना अंतर्गत कांड संख्या–456/25 में वांछित अभियुक्त राम कविता सिंह, पिता–मधु सिंह, निवासी–मठ बनवारी, थाना–पिपराकोठी, जिला–पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) को पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त को विधिवत हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत पूर्व में भी कई कांड दर्ज हैं। इनमें कांड संख्या–185/20, थाना–कुचायकोट, जिला–गोपालगंज; कांड संख्या–171/24, थाना–पिपराकोठी, जिला–पूर्वी चंपारण तथा कांड संख्या–2239/24, उत्पाद थाना मोतिहारी शामिल हैं।

आवास पर्यवेक्षक के तबादले के खिलाफ लामबंद हुए वार्ड सदस्य

बीएनएम @ नौतन। नौतन प्रखंड की पकड़िया पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर विवाद गहरा गया है। पंचायत के वार्ड सदस्यों ने मुखिया प्रतिनिधि शिव शंकर प्रसाद उर्फ चंद्रिका प्रसाद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी मनमानी और झूठे आरोपों के जरिए ईमानदार आवास पर्यवेक्षक नवीन कुमार को पंचायत से हटवा दिया है। वार्ड सदस्यों का दावा है कि पर्यवेक्षक नवीन कुमार निष्पक्षता से आवास सत्यापन कर रहे थे, जिससे स्वार्थी तत्व असंतुष्ट थे।इस मामले में वार्ड सदस्य संघ ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) शैलेंद्र कुमार सिंह को एक लिखित आवेदन सौंपकर नवीन कुमार को पुनः इसी पंचायत में बहाल करने की मांग की है। सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि पर्यवेक्षक की वापसी नहीं हुई और मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो वे विकास कार्यों का बहिष्कार कर आंदोलन करेंगे। वहीं, बीडीओ ने आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए आश्वासन दिया है कि तथ्यों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

हरसिद्धि में एसपी का जनता दरबार, 39 फरियादियों की शिकायतों पर त्वरित निर्देश

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना परिसर में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान एसपी ने 39 फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ने बताया कि कुल 41 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 25 मामले भूमि विवाद से जुड़े थे, जबकि शेष आवेदन विभिन्न कांडों से संबंधित थे। भूमि विवाद के मामलों को भूमि समाधान पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश थानाध्यक्ष सह डीएसपी ऋषभ कुमार को दिया गया। साथ ही अंचलाधिकारी के साथ संयुक्त जनता दरबार आयोजित कर भूमि से जुड़े तथ्यों की जांच कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया।

भूमाफियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश-पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि क्षेत्र में सक्रिय भूमाफियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने थानाध्यक्ष को भूमि विवादों पर कड़ी निगरानी रखने और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

सरस्वती पूजा को लेकर सख्त दिशा-निर्देश-आगामी बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा को लेकर एसपी ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान डीजे, अश्लील गानों एवं नृत्य पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरसिद्धि में खुलेगी पुलिस पब्लिक लाइब्रेरी-जनता दरबार के दौरान पुलिस अधीक्षक ने हरसिद्धि में पुलिस पब्लिक लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस लाइब्रेरी का उद्देश्य विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं तथा आम नागरिकों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। लाइब्रेरी में सामान्य ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं, कानून, संविधान, सामाजिक विषयों तथा अन्य उपयोगी पुस्तकों की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही शांत वातावरण में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा। एसपी ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच सकारात्मक संबंध मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल होगी।

पुलिस पदाधिकारी रहे मौजूद-जनता दरबार में अपर पुलिस अधीक्षक हेमंत सिंह, डीएसपी ऋषभ कुमार, अपर थानाध्यक्ष संतोषी कुमारी, दरोगा राजेश कुमार, अविनाश कुमार, अनिल सिंह, शम्भू मालाकार सहित कई पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

आर्केस्ट्रा में नाबालिग लड़कियों से काम कराने वालों पर चलेगा कानूनी डंडा-पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आर्केस्ट्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नाम पर नाबालिग लड़कियों से काम कराने के मामलों को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। ऐसे कृत्यों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आर्केस्ट्रा, डांस कार्यक्रम या सार्वजनिक आयोजन में नाबालिगों से काम कराना कानूनन अपराध है। इस तरह के मामलों में बाल संरक्षण अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी तक की कार्रवाई की जाएगी।

सरस्वती पूजा को लेकर जारी हुए सख्त दिशा-निर्देश, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

बीएनएम @ रामगढ़वा

सरस्वती पूजा के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर मंगलवार को पालनवा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने की, जिसमें पूजा समितियों एवं जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरस्वती पूजा के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

किसी भी प्रकार के अश्लील, भड़काऊ अथवा-आपत्तिजनक गीत बजाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष ने कहा कि पूजा के दौरान हुड़दंगाइयों और असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने अपील की कि सरस्वती पूजा आस्था, संस्कृति और विद्या का पर्व है, जिसे आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाना चाहिए।

बिना लाइसेंस पूजा पर रोक-उन्होंने यह भी कहा कि बिना लाइसेंस के किसी भी पूजा समिति को पूजा आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी समितियों को निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। बैठक में कृष्ण गुप्ता, अवधेश गिरी, सरपंच भारत साह, वहाब आलम, अमित कुमार, हबीब मियां, उदय गोसाई सहित सभी पुलिस पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर एसएसबी ने निकाली तिरंगा यात्रा

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) मोतिहारी द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा एवं सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में समवाय महुअवा एवं बड़हरवा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत हेमराज दास राजकीयकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छौड़ादानो के प्रांगण में आयोजित हुआ। यह आयोजन द्वितीय चरण के तहत 19 जनवरी से 26 जनवरी तक मनाए जा रहे कार्यक्रमों की कड़ी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम और मां भारती के जयघोष के साथ हुई। विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा एसएसबी के अधिकारियों व जवानों ने एक स्वर में वंदे मातरम का गायन कर पूरे परिसर को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। मुख्य अतिथि नरकटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विशाल कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश की अखंडता, वीरता और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है। उन्होंने सशस्त्र सीमा बल की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एसएसबी सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों और युवाओं में अनुशासन व राष्ट्रभावना के निर्माण में भी अग्रणी है। कार्यक्रम के दौरान द्वितीय कमान अधिकारी नीरज कुमार ने वंदे मातरम के इतिहास और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए एसएसबी की कार्यप्रणाली और गौरवशाली परंपरा की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। अंत में अनुशासित एवं भव्य वंदे मातरम–तिरंगा जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें जवानों, विद्यार्थियों और स्थानीय जनसमूह ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया और एसएसबी के प्रयासों की सराहना की गई।

मादक पदार्थों के अवैध व्यापार एवं इसके सेवन के विरुद्ध नियमित छापामारी करें- जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित एन कोर्ड की जिला स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि मादक पदार्थों के अवैध व्यापार को रोकने एवं इसके सेवन के विरुद्ध लगातार छापामारी करें एवं पकड़े गए लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें। जिला के बॉर्डर एरिया खासकर रक्सौल, आदापुर, घोड़ासहन, ढाका के क्षेत्र में लगातार अभियान चलाएं। उक्त बैठक में उपस्थित डीएसपी हेडक्वार्टर के द्वारा बताया गया कि जिला के सभी स्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर पिछले 6 माह में 100 से अधिक कांड प्रतिवेदन है जिसमें 1755 केजी गांजा 28.1 क चरण तथा 81.2 ग्राम स्मैक जप्त किया गया है एवं पकड़े गए लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है उन्होंने कहा कि रक्सौल घोड़ासहन एवं ढाका में ज्यादातर बरामद की गई है। कमांडेंट 47वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल रक्सौल के द्वारा बताया गया कि पुलिस के साथ सशस्त्र सीमा बल की ज्वाइंट ऑपरेशन के 27 मामले दर्ज की गई है जिसमें गांजा और चरस के साथ-साथ कफ सिरप भी पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है एवं दो गाड़ियां भी पकड़ी गई हैं। मादक पदार्थ अधिकांश रूप से नेपाल के रास्ते जिला में आ रहा है जबकि कई तरह के ड्रग्स इस साइड से नेपाल की तरफ जा रहा है। इस पर सीमा सुरक्षा बल के द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है एवं स्थानीय पुलिस के सहयोग से अभियान भी चलाया जा रहा है। कमांडेंट 71वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल पिपरा कोठी के द्वारा बताया गया कि स्थानीय पुलिस के सहयोग से कल 13 रेड किए गए हैं जिसमें 36 किलोग्राम गांजा,चरस,ब्राउन शुगर जप्त किया गया है। उन्होंने बताया कि ड्रग्स दुकानों पर भी छापेमारी की गई है एवं दुकान भी सील किए गए हैं। कमांडेंट 20वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल सीतामढ़ी के द्वारा बताया गया कि पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में 80 केजी गांजा तथा 2700 कफ सिरप पकड़ा गया है। बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, सहायक पुलिस अधीक्षक हेमंत सिंह, उपायुक्त कस्टम विभाग, सिविल सर्जन, औषधि नियंत्रक, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के पदाधिकारी, अधीक्षक मध् निषेध, प्रतिनिधि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि रक्सौल के रास्ते नेपाल में यूरिया ले जाये जाने की शिकायत मिल रही है जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि सीमा सुरक्षा बल स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर इसके विरुद्ध अभियान चलाए। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि बॉर्डर एरिया में खाद के सभी दुकानदारों की सूची अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल को उपलब्ध करा दी जाए एवं नियमित रूप से इन दुकानों के स्टॉक वेरिफिकेशन किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निरोधात्मक कार्य में लगे हुए पदाधिकारी स्थानीय थाना को सूचना निश्चित रूप से दें और एक दूसरे के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।जिलाधिकारी ने कहा कि मादक पदार्थों का चलन युवा वर्ग में तेजी से बढ़ रहा है जिसका उनके स्वास्थ्य,उनके परिवार और समाज पर इसका बुरा प्रभाव देखने को मिल रहा है। शहर में थे तेजी से फैल रहा है। डीएम ने कहा कि उन जगहों को चिन्हित किया जाए जहां बच्चे मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। खासकर रेलवे लाइन के किनारे, झाड़ी, पार्क, अन्य सुनसान जगहों पर नियमित रूप से गस्ती बढ़ाई जाए। आसपास के लोगों से भी इस संबंध में पूछताछ की जाए कि इस तरह की चीज कहां पर घटित हो रही है। बहुत सारा फीडबैक स्थानीय लोग ही बता देंगे और जो भी मैसेज मिले उसके विरुद्ध छापेमारी की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र का भी नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए और वहां रह रहे लोगों से जरूरी पूछताछ किया जाए, साथ ही वहां पर प्रतिनियुक्ति कर्मियों पर भी नजर रखी जाय। जिलाधिकारी के द्वारा मादक पदार्थों के अवैध व्यापार एवं इसके दुष्प्रभाव के संबंध में जागरूकता अभियान चलाने, विशेष कर शैक्षणिक संस्थानों में चलाने का निर्देश दिया गया।

शराब पीने के आरोप में आठ गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम @ रामगढ़वा

पुलिस ने शराब पीने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि गुप्त सूचना और नियमित जांच अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों से इन सभी व्यक्तियों को पकड़ा गया। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए लोगों में अहिरवालिया गांव निवासी रामराज यादव और दीप लाल महतो, नाकरदेई थाना क्षेत्र के काटगेनवा गांव निवासी अरुण शाह, रामगढ़वा थाना क्षेत्र के मुरला गांव निवासी फुलचान दास, पालनवा थाना क्षेत्र के मुड़वा गांव निवासी नानादु पासवान और सिदपुर गांव निवासी धर्मवीर पटेल, तथा रामगढ़वा थाना क्षेत्र के सतपिपरा दुबे टोला निवासी नीरज पटेल और शिवनगर सतपिपरा निवासी मधु पटेल शामिल हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी अभियुक्तों को विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है और आगे भी सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शराबबंदी कानून का पालन करने की अपील की है।

ऐतिहासिक माधोपुर मठ तृतीया मेले का शुभारंभ, दूर-दराज से जुटे श्रद्धालु व खरीदार

बीएनएम @ तुरकौलिया

प्रखंड क्षेत्र के माधोपुर मधुमालत पंचायत अंतर्गत ऐतिहासिक माधोपुर मठ परिसर में लगने वाले तृतीया मेले का विधिवत शुभारंभ हो गया। मेले का उद्घाटन बंजरिया प्रमुख पप्पू यादव, पीपरकोठी प्रमुख रजनीश कुमार, तुरकौलिया प्रमुख पति मुन्नालाल यादव एवं माधोपुर पंचायत के मुखिया एहतेशाम अहमद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मठाधीश महंत भागवत दास ने की, जबकि संचालन राजदेव यादव ने किया। उद्घाटन के दौरान मठाधीश महंत भागवत दास ने बताया कि वर्ष 1865 में इसी स्थल पर भिखम बाबा ने जीवित समाधि ली थी, जिसके पश्चात यहां मंदिर का निर्माण कराया गया। तभी से माघ माह की तृतीया तिथि को इस ऐतिहासिक मेले का आयोजन होता आ रहा है, जो लगभग एक माह तक चलता है। उन्होंने कहा कि यह मेला धार्मिक आस्था के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बंजरिया प्रमुख पप्पू कुमार यादव ने कहा कि माधोपुर मठ का तृतीया मेला ऐतिहासिक पहचान रखता है और यह विशेष रूप से लकड़ी के सामान व फर्नीचर के लिए प्रसिद्ध है। दूर-दराज के इलाकों से लोग यहां फर्नीचर की खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। वहीं राजद नेता राजदेव यादव ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार शादी-विवाह जैसे अवसरों पर यहीं से किफायती दर पर फर्नीचर खरीदते हैं। कई जिलों से फर्नीचर व्यापारी अपने उत्पाद लेकर इस मेले में आते हैं, जिससे यह मेला 'लकड़ी के मेले' के रूप में दूर-दूर तक मशहूर है। मेले में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिला। उद्घाटन अवसर पर भोजपुरी गायक विनोद बेदर्दी की मौजूदगी से मेले का माहौल और भी उल्लासपूर्ण हो गया। सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं और खरीदारों की भारी भीड़ मेले में उमड़ती रही। महिलाओं के लिए श्रृंगार की दुकानों की बड़ी संख्या भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस मौके पर मठाधीश भागवत यादव, मुखिया एहतेशाम अहमद, पीपरकोठी प्रमुख रजनीश यादव, मुखिया रोहित सिंह, पैक्स अध्यक्ष संजय यादव, पूर्व मुखिया आलोक रंजन, कमरुजम्मा, मनीष कुमार, डॉ. विनोद सिंह, सरपंच मोहम्मद सोयैब, अजमल कमाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं

अभी भारत के श्रीलंका में हस्तक्षेप करने की जरूरत सिर्फ स्टालिन को महसूस हो सकती है, जिनकी चुनावी रणनीति में तमिल भावनाओं का उभारना महत्त्वपूर्ण पहलू हो सकता है। मगर ऐसा करना भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं होगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्रीलंका में नया संविधान तैयार करने की प्रक्रिया में दखल देने की अतार्किक मांग की है। कहा जा सकता है कि इस संबंध में प्रधानमंत्री को लिखा गया उनका पत्र राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। पहली बात तो यह कि श्रीलंका के नए संविधान का प्रारूप अभी जारी नहीं हुआ है। बल्कि 2026 के बजट में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है- यानी इस वर्ष संविधान निर्माण प्रक्रिया के आगे बढ़ने की संभावना नहीं है। अब तक जितनी जानकारियां उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक श्रीलंका सरकार का इरादा उसी तरह का संविधान बनाना है, जिसका वादा उसने 2024 के चुनाव में किया था। सत्ताधारी नेशनल पीपुल्स पॉवर पार्टी का वादा संसदीय शासन प्रणाली की वापसी, दो सदनों वाली संसद की स्थापना, सभी नागरिकों के बीच समानता एवं सत्ता के सार्थक बंटवारे को सुनिश्चित करने, सत्ता के विकेंद्रीकरण आदि के प्रावधान नए संविधान में शामिल करने का है। फिर गौरतलब है कि 2024 में दशकों बाद श्रीलंका में ऐसा चुनाव हुआ, जिसमें तमिल और सिंहली बहुल इलाकों से एक जैसा जनादेश आया। उससे वहां सिंहली- तमिल विभाजन पटने की संभावना बनी है। इसलिए अभी भारत के वहां हस्तक्षेप करने की जरूरत सिर्फ स्टालिन को महसूस हो सकती है, जिनकी अगले विधानसभा चुनाव की रणनीति में तमिल भावनाओं का उभारना महत्त्वपूर्ण पहलू हो सकता है। मगर ऐसा करना भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं होगा। यह याद रखना चाहिए कि नेपाल में संविधान निर्माण के समय मधेसी अधिकारों के लिए भारत की तरफ से बनाए गए दबाव पर वहां विपरीत प्रतिक्रिया हुई थी। उस कारण दोनों देशों के संबंध में दीर्घकालिक दरार पड़ गई।

टैरिफ के बावजूद वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर छू सकती है नई ऊचाईयां

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 1 फरवरी 2026 को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार द्वारा भारतीय संसद में प्रस्तुत किए जाने वाले बजट के पूर्व वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के आर्थिक विकास से सबंधित प्रथम अग्रिम अनुमान के आंकड़े 7 जनवरी 2026 को जारी किए गए है। इस अनुमान के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। सकल घरेलू उत्पाद से सम्बंधित प्रथम अग्रिम अनुमान के आंकड़ों के आधार पर ही वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आर्थिक विकास से सम्बंधित द्वितीय अग्रिम अनुमान 27 फरवरी 2026 को जारी किए जाने हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान भी 7.3 प्रतिशत की वृद्धि का ही है परंतु भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग का अनुमान 7.5 प्रतिशत अथवा इससे अधिक का है। भारत की आर्थिक विकास दर विश्व के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे अधिक रहने की सम्भावना विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियन विकास बैंक (7.2 प्रतिशत), फिच नामक रेटिंग संस्थान (7.4 प्रतिशत) आदि संस्थानों ने भी व्यक्त की है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में हासिल की गई 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से आगे बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के कुछ मुख्य कारणों में शामिल हैं - (1) केंद्र सरकार के स्थिर उपभोग खर्च में वृद्धि दर जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2.3 प्रतिशत की रही थी, वह बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना है; (2) विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.5 प्रतिशत की रही थी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 7.0 प्रतिशत रहने की सम्भावना है; (3) सकल मान योग में वृद्धि दर का 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है; (4) सकल स्थिर पूंजी निर्माण में वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है; (5) सेवा एवं कृषि क्षेत्र में क्रमशः 9.1 प्रतिशत एवं 3.1 प्रतिशत की सम्भावना व्यक्त की गई है; (6) भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर का 6.3 प्रतिशत से बढ़कर 6.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना होना भी शामिल है। अप्रेल 2025 से नवम्बर 2025 के खंडकाल में राजकोषीय घाटा 9.8 लाख करोड़ का रहा है जो वित्तीय वर्ष 2025-26 के कुल अनुमान का 62.3 प्रतिशत है, अतः बजटीय घाटा भी अभी तक नियंत्रण में ही रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटा 15.69 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया गया था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत होगा। इस प्रकार केंद्र सरकार की आय एवं व्यय से सबंधित स्थिति भी पूर्णतः नियंत्रण में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 7.4 प्रतिशत के अनुमान को उत्साहवर्धक माना जाना चाहिए क्योंकि यह वृद्धि दर ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद रहने वाली है। दरअसल ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ को वित्तीय बाजार में बहुत गम्भीरता से लिया जाकर इसके भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले प्रभाव को बहुत बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया है। परंतु, वास्तव में भारत के आर्थिक विकास दर पर इसका प्रभाव लगभग नहीं के बराबर रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिका को भारत से होने वाले निर्यात की कम मात्रा भी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विभिन्न वस्तुओं के निर्यात हुए थे, जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। अतः भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 1.85 प्रतिशत ही रहे हैं। वैसे भी भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है ही नहीं (चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है, इसीलिए चीन पर अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव अधिक हो सकता है), भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्यतः आंतरिक उपभोग पर आधारित है। यदि भारत के नागरिक स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक सेवन करते हैं तो ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले प्रभाव को शून्य भी किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी भारतीय समाज को लगातार प्रेरणा दी जा रही है कि वे भारत में निर्मित उत्पादों का ही उपयोग करें ताकि भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। संघ ने पंच परिवर्तन नामक एक कार्यक्रम को प्रारम्भ किया है, जिसमें पांच बिंदु शामिल किए गए हैं - स्वदेशी का उपयोग, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन। भारत में समस्त नागरिकों का यह कर्तव्य है कि वे सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन सुनिश्चित करें। इन संस्कारों में भारत के नागरिकों में "देश प्रथम" के भाव का जागरण भी शामिल है। लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती है। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश की प्रगति होती है। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। करों का समय पर और सही राशि का भुगतान करना नागरिकों का कर्तव्य है। देश की आर्थिक प्रगति के लिए करों का उचित प्रबंधन आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक का यह भी कर्तव्य है कि वह समाज की भलाई के लिए स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास जैसी सामाजिक सेवाओं में भाग लें। किसी भी देश के नागरिक यदि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना प्रारम्भ करते हैं तो इससे देश में उद्योगों को बढ़ावा मिलता है, अन्य देशों से उत्पादित वस्तुओं का आयात कम होता है और देश में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। स्वदेशी का मतलब विदेशी सामान इस्तेमाल नहीं करना है परंतु यह कार्य इतना आसान नहीं है क्योंकि आज विश्व के समस्त देश एक वैश्विक गांव में परिवर्तित हो गए हैं, जिसके चलते उत्पादों का एक देश से दूसरे देश में आयात एवं निर्यात बहुत आसान बन पड़ा है। आचार्य श्री विनोबा भावे जी कहते हैं स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। संघ ने इसमें एक बिंदु जोड़ दियाः आत्मनिर्भरता, अहिंसा और सादगी। प्रत्येक भारतीय नागरिक से अपेक्षा की जाती है कि वह मितव्ययिता से जिए ताकि संसाधनों के दुरुपयोग को रोका जा सके। परंतु, इसका आशय कंजूसी करना कदापि नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सामाजिक संगठनों के साथ ही केंद्र सरकार ने भी आर्थिक क्षेत्र में कई प्रयास किए हैं जिसके चलते हाल ही के समय में भारत की आर्थिक विकास दर में वृद्धि दर में लगातार सुधार दिखाई दिया है। विशेष रूप से ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ के प्रभाव को लगभग शून्य करने के उद्देश्य से भारत ने विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं, इनमे विशेष रूप से शामिल हैं यूनाइटेड किंगडम, ओमान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, आदि। यूरोपीय देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न होने जा रहा है।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक "खेला होगा" के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए। भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाज़ों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगी और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज आपको शुभ सूचना मिलने वाला है। जिससे उत्साह और ऊर्जा महसूस होगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारु रूप से बनते जाएंगे। सिर्फ सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने कार्यों के प्रति व्यस्त रहें। आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा कर लेंगे। वर्तमान परिवेश में आपने जो नई नीतियां बनाई है, इस वजह से आपकी काफी समस्याएं हल होंगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है आज आप कुछ समय प्रकृति के बीच बिताएंगे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आपको किसी कार्य को लेकर की गई मेहनत का अनुकूल परिणाम मिलने वाला है। घर में धार्मिक कार्य संपन्न हो सकता है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करेंगे जिससे अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हे मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। पुरानी परेशानियों से राहत मिल सकती है। दोबारा आत्मविश्वास और ऊर्जा से अपने काम में लग जाएंगे। अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे। प्रयास करने पर कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में बहुत अधिक जिम्मेदारियां और काम का बोझ रहेगा। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज घर में सुख-शांति भरा माहौल रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रोपर्टी से रिलेटेड बात करेंगे और फाइनेंस सम्बंधित कुछ योजनाये बनेगी। अगर किसी प्रकार की कानूनी समस्या चल रही है तो आज उसका समाधान मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति अथवा राजनीतिज्ञ के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज आपको बड़ी उपलब्धि हासिल होगी। आज आपका व्यापारिक दृष्टिकोण हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाए रखने में मदद करेगा। अगर सरकारी अथवा कोर्ट के संबंधी मामला अटका हुआ है तो आज उसमें सफलता मिलने की उचित संभावना है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने की बजाय उसका समाधान ढूंढे तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा। विद्यार्थियों को अपनी सोच में और अधिक सकारात्मकता लाने की जरूरत है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। आज का दिन पारिवारिक सुख-शांति में वृद्धि लेकर आएगा। आज किसी प्रकार की समस्या आपकी सूझबूझ से हल हो जाएगी। आपकी कार्यकुशलता तथा योग्यता की सराहना होगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपकोसाहस मिलेगा। आज का दिन पारिवारिक सुखों में वृद्धि लेकर आएगा। यदि किसी वजह से उलझन बनी हुई है, तो आज उससे छुटकारा मिलेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपका कार्य करने का तथा सफलता हासिल करने का जुनून आपको कामयाबी देगा। बिजनेस की रुकावटें दूर होंगी। इंश्योरेंस और कमीशन के बिजनेस में विशेष सफलता मिलेगी। नौकरी कर रहे लोगों का आज इन्क्रीमेंट होने के चांस है।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है। ये निवेश आने वाले दिनों में बेहतर फायदा देने वाला रहेगा। आज मेहमान नवाजी में भी समय बीतेगा तथा घर में आए लोगों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार विमर्श करेंगे।

विश्व को अस्थिर करता अमेरिका

किशन सनमुखदास भावनानीं

वेनेजुएला और ईरान के बाद अब ग्रीनलैंड पर ट्रंप की नजर- नाटो की अग्निपरीक्षा और यूरोपीय एकता की निर्णायक जीत-एक समग्र विश्लेषण वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जब विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है,तब भी अमेरिका की विदेश नीति में एक पुराना साम्राज्यवादी आग्रह बार-बार उभरकर सामने आता है।अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संप्रभुता के सिद्धांतों को दरकिनार करते हुए सैन्य दबाव,आर्थिक प्रतिबंध और टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करना अमेरिका की रणनीति का हिस्सा रहा है। वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन की कोशिशें, ईरान पर अधिकतम दबाव की नीति और अब ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप के आक्रामक बयान,यह सब मिलकर एक ऐसे अमेरिका की तस्वीर पेश करते हैं जो वैश्विक स्थिरता का संरक्षक कम और अस्थिरता का कारक अधिक बनता जा रहा है।ग्रीनलैंड हमेशा डेनमार्क और यूरोपीय संप्रभुता का सवाल रहा हैं,ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन एक स्वायत्तशासी क्षेत्र है। इसका अर्थ यह है कि उसकी विदेश और रक्षा नीति डेनमार्क तथा यूरोपीय ढांचे से जुड़ी हुई है।जब ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे या उसे खरीदने जैसी बातों को सार्वजनिक मंच से दोहराया, तो यह केवल डेनमार्क ही नहीं, बल्कि पूरे यूरोप की संप्रभुता को चुनौती देने जैसा था।यूरोपीय देशों को यह एहसास हुआ कि यदि आज ग्रीनलैंड पर दबाव डाला गया, तो कल किसी और यूरोपीय क्षेत्र पर भी ऐसा ही प्रयास हो सकता है। यही कारण है कि इस मुद्दे पर यूरोप ने असामान्य रूप से एकजुट रुख अपनाया।ग्रीनलैंड का मामला नाटो के लिए भी एक निर्णायक परीक्षा बन गया। नाटो एक ऐसा सैन्य गठबंधन है जो सामूहिक सुरक्षा के सिद्धांत पर आधारित है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि जब गठबंधन का सबसे शक्तिशाली सदस्य ही अपने सहयोगी देशों पर दबाव डालने लगे तो नाटो की नैतिकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।यूरोपीय देशों ने स्पष्ट संकेत दिया कि नाटो का मतलब केवल अमेरिकी हितों की रक्षा नहीं, बल्कि सभी सदस्य देशों की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।इस एकजुटता ने ट्रंप प्रशासन को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक कदम उठाना आसान नहीं होगा। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में जहां अमेरिका को सीमित विरोध का सामना करना पड़ा था, वहीं ग्रीनलैंड के मुद्दे पर यूरोप एक स्वर में खड़ा दिखाई दिया। डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम सभी ने इस बात को स्पष्ट किया कि ग्रीनलैंड पर किसी भी तरह का दबाव अस्वीकार्य है।यूरोपीय एकता ने ट्रंप के उस आत्मविश्वास को झटका दिया, जिसके तहत वे मानते थे कि आर्थिक या सैन्य दबाव डालकर किसी भी देश को झुकाया जा सकता है। साथियों बात कर हम वेनेजुएला और ईरानः हस्तक्षेप की पुरानी पटकथा को समझने की करें तो ग्रीनलैंड से पहले अमेरिका की नजर वेनेजुएला और ईरान पर रही है।वेनेजुएला में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को कमजोर करने,राष्ट्रपति को अपदस्थ करने और कथित अपहरण जैसी घटनाओं की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा हुई। यह सब अंतरराष्ट्रीय कानूनों और किसी भी संप्रभु देश के आंतरिक मामलों में गैर- हस्तक्षेप के सिद्धांत के सीधे उल्लंघन थे।इसी तरह ईरान के खिलाफ लगातार प्रतिबंध, सैन्य धमकियां और क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने की नीति ने मध्य-पूर्व को लंबे समय तक संघर्ष के दलदल में धकेल दिया।इन दोनों उदाहरणों ने यह स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति कूटनीति पहले नहीं, बल्कि दबाव पहले की अवधारणा पर आधारित थी। ग्रीनलैंडः बर्फ से ढका द्वीप, लेकिन भू-राजनीति का गर्म केंद्र रहा। साथियों बात अगर हम ग्रीनलैंड मुद्दे को समझने की करें तो यह भले ही जनसंख्या की दृष्टि से छोटा और भौगोलिक रूप से दूरस्थ क्षेत्र हो,लेकिन उसकी रणनीतिक अहमियत असाधारण है।यह दुनियाँ का सबसे बड़ा द्वीप है और आर्कटिक क्षेत्र में स्थित होने के कारण सैन्य,ऊर्जा, खनिज और वैश्विक व्यापार मार्गों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण बन चुका है।जलवायु परिवर्तन और बर्फ के पिघलने के साथ आर्कटिक में नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जिससे यूरोप- एशिया- अमेरिका के बीच व्यापारिक दूरी कम हो सकती है। इसके साथ ही दुर्लभ खनिज, तेल और गैस जैसे संसाधनों तक पहुंच आसान हो रही है। यही कारण है कि ग्रीनलैंड अब केवल एक द्वीप नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक शक्ति-राजनीति का केंद्र बन चुका है। साथियों बात अगर कर हम अमेरिका की मंशाःआर्कटिक में वर्चस्व की होड़ को समझने की करें तो अमेरिका लंबे समय से ग्रीनलैंड में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश करता रहा है। वहां पहले से मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने और रडार सिस्टम इस बात का संकेत हैं कि वॉशिंगटन आर्कटिक को केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि सामरिक युद्धक्षेत्र के रूप में देखता है।हालिया घटनाक्रम में अमेरिका ने ग्रीनलैंड को लेकर सैन्य और रणनीतिक गतिविधियां तेज करने के संकेत दिए। आधिकारिक तर्क यह दिया गया कि रूस और चीन जैसी उभरती ताकतों को संतुलित करने के लिए यह जरूरी है। लेकिन यूरोप ने इस तर्क को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया, क्योंकि यह संतुलन नहीं बल्कि प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश अधिक प्रतीत हुई। साथियों बात अगर हम टैरिफ हथियारः-कूटनीति की जगह आर्थिक धमकी इसको समझने की करें तो ग्रीनलैंड के मुद्दे पर विरोध बढ़ता देख ट्रंप प्रशासन ने एक बार फिर टैरिफ को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया।घोषणा की गई कि 1 फरवरी से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड से अमेरिका भेजे जाने वाले सभी सामानों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।यह कदम स्पष्ट रूप से राजनीतिक दबाव बनाने के लिए था, ताकि यूरोपीय देश अमेरिका के रुख का समर्थन करने को मजबूर हों। हालांकि, इस बार यह रणनीति उलटी पड़ती नजर आई।,यूरोपीय संसद के सबसे बड़े राजनीतिक समूह ईपीपी के प्रमुख मैनफ्रेड वेबर ने ट्रंप की धमकियों को गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी दबाव और टैरिफ धमकियों से यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौतों की आत्मा पर सवाल खड़े हो गए हैं।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा हालात में अमेरिकी उत्पादों पर शून्य प्रतिशत टैरिफ की योजना को फिलहाल रोकना पड़ेगा। यह बयान इस बात का संकेत था कि यूरोप अब केवल प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि प्रतिरोध की नीति अपनाने के लिए तैयार है। साथियों बात अगर हम प्लान होल्ड परःट्रंप को क्यों पीछे हटना पड़ा इसको समझने की करें तो,यूरोपीय देशों के संगठित विरोध और संभावित व्यापार युद्ध की आशंका के चलते ट्रंप प्रशासन को ग्रीनलैंड योजना फिलहाल होल्ड पर डालनी पड़ी। हालांकि उन्होंने 10 प्रतिशत टैरिफ के साथ जून तक की मोहलत दी, लेकिन यह साफ हो गया कि ग्रीनलैंड पर सीधा कब्जा या खुला दबाव डालना आसान नहीं होगा।यह पहला अवसर नहीं था जब ट्रंप को अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे कदम पीछे खींचने पड़े हों, लेकिन यह निश्चित रूप से सबसे प्रतीकात्मक उदाहरणों में से एक है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारतीय टीम पहले टी20 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

एजेंसी, नागपुर

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को यहां पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर अगले माह होने वाली टी20 सीरीज के लिए लय हासिल करना रहेगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टी20 में अच्छा रहा है पर सूर्यकुमार के बल्ले से रन नहीं निकले हैं। ऐसे में सूर्यकुमार का लक्ष्य इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर टी20 विश्वकप के लिए फार्म हासिल करना रहेगा। सूर्यकुमार ने साल 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद से ही भारतीय टीम को अधिकतर मुकाबलों में जीत मिली है। पिछले दो साल में भारतीय टी20 टीम को कुछ मुकाबलों में ही हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में भी वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम को हालांकि बल्लेबाजी तिलक वर्मा की कमी खेलेगी। तिलक सर्जरी के कारण इस इस मैच में नहीं खेलेंगी। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम भी काफी अच्छी है। इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा हालांकि उसकी राह इतनी आसान नहीं है। भारतीय टीम ने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। टीम के पास अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाज और वरुण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। वहीं न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से केवल 13 में जीत हासिल की है। उसके पास आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे हैं। टीम के पास कप्तान मिचेल सैंटनर जैसा स्पिनर और जैकब डफी जैसा तेज गेंदबाज है। अच्छी फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के रहने से टीम काफी मजबूत हुई है। तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क इस मैच में रहेंगे। इसका कारण है कि माइकल ब्रैसवेल और एडम मिल्ने दोनो ही फिट नहीं हैं। वहीं भारतीय टीम के पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं। स्पिनर वरुण भारतीय टीम के मुख्य हथियार होंगे। वरुण के सातवें से 15वें ओवर के बीच के चार ओवर अक्सर मैच का रुख बदील देते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

समय: मैच शाम सात बजे शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : वीनस विलियम्स और एकटेरिना अलेक्जेंड्रोवा महिला डबल्स के पहले राउंड में बाहर

एजेंसी, मेलबर्न

अमेरिकी लेजेंड वीनस विलियम्स और रूस की एकटेरिना अलेक्जेंड्रोवा ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के महिला डबल्स के पहले राउंड में बाहर हो गईं हैं। अमेरिकी-रूसी जोड़ी को फ्रांस की एल्सा जैक्वेमॉट और कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो ने 6-3 (3), 6-4 से हराया। इस हार के साथ वीनस का मेलबर्न पार्क में अभियान समाप्त हो गया। इससे पहले, दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनलिस्ट वीनस महिला सिंगल्स में पहले राउंड में ओल्गा डानिलोविक के खिलाफ हारकर बाहर हो गई थीं। यह वीनस का 2021 के बाद पहला मेलबर्न पार्क में प्रदर्शन और 2023 के बाद अमेरिका के बाहर पहला टूर्नामेंट था। सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस, जिन्हें टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड दिया गया था, ऑस्ट्रेलियन ओपन में मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बन गईं। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की किमिको डेट के नाम था, जो 2015 में 44 वर्ष की उम्र में पहले राउंड में हार गई थीं। वीनस ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में दो बार फाइनल खेला और 2001 में सेमीफाइनल तथा छह बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं। उनका टूर्नामेंट रिकॉर्ड 54-21 का रहा है। इसके अलावा, उन्होंने मेलबर्न में महिला डबल्स में चार बार खिताब जीता—2001, 2003, 2009 और 2010 में अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ और 1998 में जस्टिन गिमेलस्टॉब के साथ मिक्स्ड डबल्स का खिताब भी अपने नाम किया। 16 महीने के ब्रेक के बाद वीनस ने जुलाई 2025 में टेनिस में वापसी की और तीन टूर्नामेंट खेले। उन्होंने मुवादाला सिटी डीसी ओपन में पहले राउंड में देशवासी पेटन स्टियर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया, लेकिन इसके बाद मैग्दालेना फ्रेच से हार गईं। अगस्त में, वीनस सिनसिनाटी में स्पेन की जेसिका बौज़ास-मैनेरो से 4-6, 4-6 से पहले राउंड में हार गईं और यूएस ओपन में 11वें सीड करोलिना मचोवा को तीन सेट तक चुनौती दी। डबल्स में लेयलाह फर्नांडीज के साथ क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं, जहां उन्हें अंतिम फाइनलिस्ट कैटरीना सीनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हार मिली। कुल मिलाकर, वीनस विलियम्स के नाम सिंगल्स और डबल्स मिलाकर 23 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं।

साइना नेहवाल ने संन्यास लिया

नई दिल्ली। अनुभवी बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने खेल से संन्यास ले लिया है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइन ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनकी फिटनेस पहले जैसी नहीं रही है। इसी कारण वह प्रतिस्पर्धी खेलों में अब नहीं उतरेंगी। साइना ने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने अंतिम बार कोई मुकाबला साल 2023 में सिंगापुर ओपन में खेला था। वह गत ढाई-तीन साल से पेशेवर बैडमिंटन से दूर रही हैं। उनके घुटने में भी समस्या है। इस कारण वह काफी समय से खेल से दूर चल रहीं थीं। उनकी उम्र भी 35 के करीब पहुंच रही है जिससे भी उनके खेल पर प्रभाव पड़ा है। उन्हें अपने योगदान के कारण अर्जुन पुरस्कार (2009), मेजर ध्यानचंद खेल रत्न (2010), पद्म श्री (2010) और पद्म भूषण (2016) जैसे अवार्ड मिले हैं। साइना ने पिछले कुछ समय से बैडमिंटन नहीं खेला है और उसके बाद से ही उनके संन्यास की अटकलें लगायी जा रहीं थीं। साइना ने कहा, ''मैंने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था मैंने अपनी अनुसार ही खेला और अब संन्यास की घोषणा की है। साथ ही कहा कि अगर आप और खेलने में सक्षम नहीं हैं तो खेल में बने रहने का मतलब नहीं है।'' नेहवाल ने कहा कि यह फैसला उन्होंने घुटने की गंभीर समस्या से लिया, जिसकी वजह से लगातार उच्च दबाव वाली ट्रेनिंग कठिन हो गयी थी। नेहवाल ने कहा, " उनका घुटना दर्द कर रहा है। कार्टिलेज पूरी तरह से खराब हो गया है, इसके अलावा उन्हें जोड़ो की बिमारी है, यह बात मेरे माता-पिता को पता होनी चाहिए थी, मेरे कोच को यह जानना जरूरी था और मैंने बस उनसे कहा, 'अब शायद मैं यह और नहीं खेल पाऊंगी, यह कठिन है।" संन्यास की घोषणा पर साइना ने कहा, लोगों को धीरे-धीरे पता चल ही रहा था कि साइना नहीं खेल रही है। घुटने की चोट को लेकर साइना ने कहा, खेल में शीर्ष पर आने आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग की जरुरी होती है पर अब मेरा घुटना एक या दो घंटे में ही दर्द करने लगा था। गौरतलब है कि बैडमिंटन में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली साइना पहली भारतीय खिलाड़ी थीं। इसके अलावा वह साल 2015 में विश्व रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी भी रही थीं। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2008 में उन्होंने जीत हासिल की जबकि सुपर सीरीज खिताब 2009 इंडोनेशिया ओपन 2009 उन्होंने जीत हासिल की। 2010 और 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने स्वर्ण पदक भी जीता है।

मैनचेस्टर सिटी ने क्रिस्टल पैलेस के डिफेंडर मार्क गुएही के साथ किया करार

एजेंसी, नई दिल्ली

मैनचेस्टर सिटी ने अपनी डिफेंसिव समस्याओं के बीच क्रिस्टल पैलेस के स्टार डिफेंडर मार्क गुएही को साइन करने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। क्लब ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि गुएही ने जून 2031 तक के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। 25 वर्षीय इंग्लैंड के डिफेंडर मार्क गुएही सितंबर 2025 के ट्रांसफर डेडलाइन डे पर लिवरपूल के करीब पहुंच गए थे, लेकिन वह सौदा आखिरी समय पर टूट गया था। अब गुएही मैन सिटी की जर्सी में नजर आएंगे। गुएही ने मई में खेले गए एफए कप फाइनल में क्रिस्टल पैलेस की कप्तानी करते हुए मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ खिताबी जीत दिलाई थी। वह अब तक इंग्लैंड के लिए 26 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने हाल ही में डिफेंस में खिलाड़ियों की कमी को लेकर चिंता जताई थी। प्रीमियर लीग में आर्सेनल से सात अंक पीछे दूसरे स्थान पर चल रही सिटी के लिए यह एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। गुएही के साइन होने से पहले गार्डियोला ने कहा था,"जॉन (स्टोन्स) के बिना, रुबेन (डायस) के बिना और जोस्को (ग्वार्डियोल) के बिना हम मुश्किल स्थिति में हैं, और यह सिर्फ एक मैच की बात नहीं बल्कि लंबे समय की समस्या है। रुबेन जल्द लौटेंगे, लेकिन जोस्को नहीं। जॉन को लेकर हमें उम्मीद है।" मार्क गुएही के आने से मैनचेस्टर सिटी की डिफेंस को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

टी20 विश्व कप में भारत में न खेलने के अपने रूख पर बांग्लादेश बरकरार

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने मंगलवार को साफ किया कि आईसीसी टी20 विश्व कप भारत में खेलने को लेकर बांग्लादेश अपने रुख में कोई बदलाव नहीं करेगा। उन्होंने यह भी खारिज किया कि अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट से हटता है तो उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। आसिफ नज़रुल ने कहा कि बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार किया है और आईसीसी से अनुरोध किया है कि उसके मैच सह-मेज़बान श्रीलंका में कराए जाएं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार का रुख स्पष्ट और अडिग है। पिछले सप्ताहांत बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और आईसीसी अधिकारियों के बीच ढाका में बातचीत हुई थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। यह गतिरोध उस समय और गहरा गया जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइज़ी कोलकाता नाइट राइडर्स को मौजूदा राजनीतिक तनाव के बीच मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज़ करने का निर्देश दिया। सूत्रों के अनुसार, आईसीसी ने इस मामले के समाधान के लिए 21 जनवरी की समयसीमा तय की है। यदि बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करना पड़ा, तो उन्हें तैयारी के लिए कम से कम 15 दिन का समय देना होगा, क्योंकि स्कॉटलैंड विश्व कप के लिए क्वालिफाई न कर पाने वाली सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है। बांग्लादेश ने अपने ग्रुप को बदलने का भी प्रस्ताव रखा था, लेकिन आयरलैंड ने इस पर सहमति देने से इनकार कर दिया। आसिफ नज़रुल ने पत्रकारों से कहा, "मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि आईसीसी टी20 विश्व कप में हमारी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर हम पर अनुचित शर्तें थोपने की कोशिश करता है, तो हम उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे।" उन्होंने आगे कहा, "अतीत में ऐसे उदाहरण हैं जब पाकिस्तान ने भारत की यात्रा से इनकार किया और आईसीसी ने टूर्नामेंट का वेन्यू बदला। हमने भी तार्किक आधार पर वेन्यू बदलने की मांग की है और किसी भी तरह के अव्यावहारिक दबाव में आकर भारत में खेलने को मजबूर नहीं किया जा सकता।"

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर बिकवाली का दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

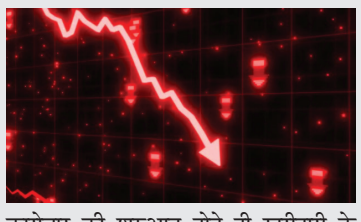

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी देने के बाद बने वैश्विक दबाव का असर आज घरेलू शेयर बाजार के शुरुआती कारोबार पर भी नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली तेजी आती हुई नजर आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोनों सूचकांकों की कमजोरी भी बढ़ती चली गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एनटीपीसी, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 1.18 प्रतिशत से लेकर 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, एटरनल, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 2.50 प्रतिशत से लेकर 1.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,652 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 533 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,119 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 6 शेयर हरे निशान में और 44 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 38.80 की मामूली गिरावट के साथ 83,207.38 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले दो मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 83,254.28 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स दोबारा लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक टूट कर 82,812.32 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि इसके बाद हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की स्थिति में थोड़ा सुधार होता हुआ भी नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 333.65 अंक लुढ़क कर 82,912.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज सिर्फ 5.20 अंक फिसल कर 25,580.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले निफ्टी 150 अंक से भी ज्यादा गिर कर 25,432.60 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने बाजार में लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 118 अंक की कमजोरी के साथ 25,467.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

उड़ान योजना को नई रफ्तार देने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) को अधिक प्रभावी और आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए एक नई फंडिंग व्यवस्था पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। विभिन्न मंत्रालयों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद इस संबंध में एक नया प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे अब केंद्रीय कैबिनेट की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। सरकार का मानना है कि नई फंडिंग व्यवस्था लागू होने से दूर-दराज और कम विकसित क्षेत्रों में स्थित हवाई अड्डों का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा और आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा अधिक सुलभ बनेगी। वर्ष 2016 में शुरू की गई उड़ान योजना का उद्देश्य कम किराए में क्षेत्रीय हवाई सेवाएं उपलब्ध कराना था। अब तक इस योजना के तहत 4,352 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जा चुकी है, जबकि हवाई अड्डों के विकास और बुनियादी ढांचे पर 4,638 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

2025 में अरबपतियों की संख्या 3,000 के पार, संपत्ति 18.3 ट्रिलियन डॉलर पर

नई दिल्ली। साल 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या पहली बार 3,000 के आंकड़े को पार कर गई है। ऑक्सफैम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अरबपतियों की कुल संपत्ति बढ़कर 18.3 ट्रिलियन डॉलर हो गई है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। यह रिपोर्ट दावोस में होने वाले वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम से ठीक पहले जारी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में अरबपतियों की संपत्ति में 16 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई। साल 2020 की तुलना में यह बढ़ोतरी 81 फीसदी रही है, यानी करीब 8.2 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा। रिपोर्ट में बताया गया है कि सिर्फ नवंबर 2024 के बाद एक साल में संपत्ति की ग्रोथ 16.2 फीसदी रही, जो महामारी के बाद की औसत वृद्धि से लगभग तीन गुना अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों के बढ़ते वैल्यूएशन ने अमीरों की दौलत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। अमेरिका के अरबपतियों की संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ी है, हालांकि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी डबल डिजिट ग्रोथ देखी गई है। फोर्ब्स की रियल-टाइम लिस्ट के मुताबिक, एलन मस्क 779.6 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अक्टूबर 2025 में मस्क 500 अरब डॉलर की संपत्ति पार करने वाले पहले व्यक्ति बने थे। स्पेसएक्स के संभावित आईपीओ और टेस्ला के शेयरों में मजबूती से उनकी दौलत में तेज उछाल आया। भारत में मुकेश अंबानी 104.6 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सबसे अमीर बने हुए हैं, जबकि गौतम अडानी 89.6 अरब डॉलर और सावित्री जिंदल 40.2 अरब डॉलर के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। दुनिया में संपत्ति का केंद्रीकरण अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है।

भारत से स्मार्टफोन का निर्यात 30 अरब डॉलर तक पहुंचा

नई दिल्ली। साल 2025 में भारत से स्मार्टफोन का निर्यात लगभग 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा है। यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों में हुए कुल स्मार्टफोन निर्यात का करीब 38 प्रतिशत है, जिससे साफ है कि बीते साल भारत ने इस सेक्टर में तेज रफ्तार पकड़ी है। केंद्र सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का असर अब भारत के स्मार्टफोन उद्योग में साफ नजर आने लगा है। स्मार्टफोन के लिए पीएलआई योजना मार्च 2026 में समाप्त होनी है, हालांकि सरकार इसे आगे बढ़ाने के विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रही है। साल 2021 से 2025 के बीच भारत ने कुल मिलाकर करीब 79.03 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान साल 2025 का रहा। आंकड़ों के मुताबिक, इन पांच वर्षों में कुल स्मार्टफोन निर्यात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा एप्पल के आईफोन का रहा है। अकेले 2025 में आईफोन निर्यात की कीमत 22 अरब डॉलर से ज्यादा आंकी गई है। साल 2025 में स्मार्टफोन निर्यात में करीब 47 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि इससे पिछले 12 महीनों में यह आंकड़ा लगभग 20.45 अरब डॉलर था। यह तेजी भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में एक अहम खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि 2025 में भारत का कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर निर्माण से जुड़े नए प्लांट शुरू होने से आने वाले वर्षों में न सिर्फ निर्यात बढ़ेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन करीब 11.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। साल 2021 में स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग की रफ्तार पकड़ने के बाद पहली बार 2025 में भारत से एप्पल आईफोन का निर्यात 2 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया, जो 2024 के मुकाबले लगभग 85 प्रतिशत अधिक है। फिलहाल भारत में एप्पल के पांच आईफोन असेंबली प्लांट हैं, जिनमें तीन टाटा ग्रुप और दो फॉक्सकॉन संचालित कर रहे हैं। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता देश बन चुका है और घरेलू बाजार में बिकने वाले 99 प्रतिशत से ज्यादा मोबाइल फोन मेड इन इंडिया हैं।

स्विगी का फोकस भारत में विस्तार पर, वैश्विक योजना फिलहाल नहीं

कंपनी का खाद्य क्षेत्र में सालाना 18–20 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। स्विगी फूड मार्केटप्लेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में अभी भी 85–90 प्रतिशत खाद्य वितरण बाजार अप्रयुक्त है। केवल 10–12 प्रतिशत आबादी ने ऑनलाइन खाद्य आपूर्ति का उपयोग किया है, जिससे देश में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। अवसर सिर्फ खाद्य क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कई अन्य व्यवसायों में भी मौजूद हैं। कंपनी खाद्य क्षेत्र में सालाना 18–20 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है। पिछले तिमाही के आंकड़े भी इसी रुझान की पुष्टि करते हैं। स्विगी कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करके प्रबंधन, डिलीवरी पार्टनर और रेस्तरां साझेदारों को वास्तविक समय की जानकारी देती है। ग्राहक सेवा कॉल्स का विश्लेषण, व्यंजन बिक्री का डेटा और डिलीवरी की अधिकतम संभावना वाले क्षेत्र एआई के माध्यम से तुरंत साझा किए जाते हैं। उन्होने कहा कि फिलहाल कंपनी का ध्यान केवल घरेलू बाजार पर है और वैश्विक विस्तार की कोई योजना नहीं है। उनका मानना है कि भारत में खाद्य वितरण और पूरे खाद्य क्षेत्र को विकसित करने के लिए सरकार और उद्योग को मिलकर काम करना होगा।

सर्राफा बाजार जबरदस्त तेजी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 2,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी छलांग है। कीमत में आई तेजी के कारण सोना और चांदी ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर लिया है। सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,250 रुपये से लेकर 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,34,060 रुपये से लेकर 1,34,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु तीन लाख रुपये का स्तर पार कर 3,05,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,400 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,46,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लीजा रे ने आखिर क्यों बनाई थी बॉलीवुड से दूरी? 25 साल बाद एक्ट्रेस ने खोला राज

बॉलीवुड अभिनेत्री लीजा रे ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और फिर 1994 में फिल्म हंसते खेलते से एक्टिंग में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें कसूर, बॉलीवुड/हॉलीवुड और 2005 में ऑस्कर नामांकित वॉटर शामिल हैं। उनकी इमेज हमेशा ग्लैमरस और दमदार अदाकारा की रही, लेकिन 2001 में अपने करियर के सबसे ऊंचे मुकाम पर उन्होंने अचानक बॉलीवुड से दूरी बना ली। उन्होंने अब अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि आखिर उन्होंने ऐसा फैसला क्यों लिया था। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए लीजा रे ने कहा कि वह खुद को इंडस्ट्री में उस तरह नहीं देख पा रही थीं, जैसे वह वास्तव में थीं। उन्होंने कहा, मुझे सिर्फ सुंदर मॉडल के रूप में देखा जा रहा था। इन सब में उनकी असली आवाज और व्यक्तित्व दबा दिया गया था। इस दौरान मेरे पास कई फिल्मों के ऑफर थे, लेकिन मैंने प्रसिद्धि के बजाय खुद को जानने और समझने के लिए समय देना चुना। उन्होंने कहा, अपने ब्रेक के दौरान मैं लंदन चली गई और वहां एक कॉलेज में रहकर शेक्सपियर और कविता का अध्ययन किया। मैंने म्यूजियम और कला के बीच समय बिताया और बौद्ध धर्म-योग के बारे में जाना। मैंने लोगों की नजरों में दिखने के बजाय अपना जीवन सीखने, आत्मा और जिज्ञासा पर आधारित बनाने की कोशिश की।इस गहन आत्म-खोज के बाद लीजा ने इंडिपेंडेंट फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने कहा, उस वक्त फिल्में आमतौर पर कम बजट में बनती थीं, लेकिन मेरा मकसद केवल पैसा कमाना नहीं था। मैं विश्वास और उम्मीद के साथ फिल्में बनाती थीं। यह मेरे लिए खुद को जानने और समझने का एक अवसर था। मेरी फिल्मों में हल्की-फुल्की और गंभीर दोनों प्रकार की फिल्में शामिल थीं। इनमें हर किरदार के माध्यम से मुझे अपने व्यक्तित्व की खोज करने में मजा आया। पुरानी तस्वीरों और फिल्मों के बारे में बात करते हुए लीजा ने कहा, भले ही वे मुझे अपनी पुरानी सुंदरता की याद दिलाती हैं, लेकिन मेरा असली मकसद कभी भी फेम या सुंदर दिखने का नहीं था। मेरे लिए असली काम जीवन में गहराई लाने, अर्थ खोजने और लोगों की बाहरी उम्मीदों का बोझ हटाने का था। समय ने मुझे मिटाया नहीं, बल्कि मेरे असली होने को उजागर किया। यह सफर मेरे लिए अपने आप को समझने और अपनाने का अनुभव साबित हुआ।

गांधी टॉक्स में काम करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक : अदिति राव हैदरी

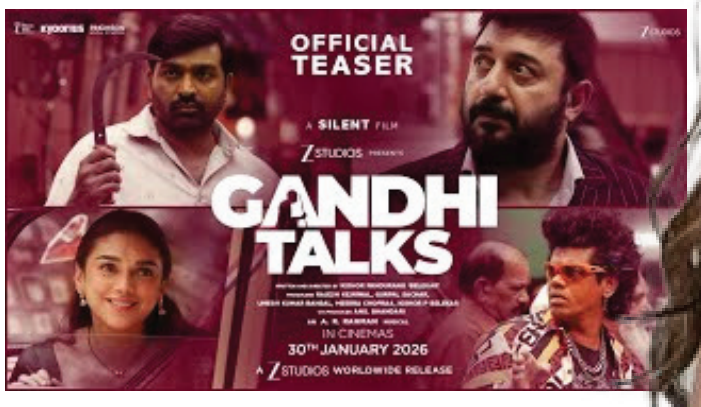

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपनी अपकमिंग साइलेंट फिल्म गांधी टॉक्स की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि फिल्म में काम करने का अनुभव चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों रहा। उन्होंने फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को शानदार बताया। किशोर पांडुरंग बेलेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अदिति ने कहा कि यह उनके लिए पहली बार विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। हालांकि पहले भी कई प्रोजेक्ट्स में दोनों साथ आने वाले थे, लेकिन किसी न किसी कारण से वे पूरे नहीं हो पाए। अदिति ने बताया, हम कुछ फिल्मों में लगभग साथ काम करने वाले थे, लेकिन हर बार कुछ न कुछ हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। यह जिंक्स टूटना ही था। मुझे खुशी है कि ये एक बहुत अलग और खास फिल्म गांधी टॉक्स के साथ पूरा हुआ। उन्होंने इस फिल्म को अपनी जिंदगी के सबसे अनोखे प्रोजेक्ट में से एक करार दिया। फिल्म पूरी तरह साइलेंट है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं हैं। अदिति ने कहा, इस फिल्म में आप बस शांत रहते हैं, देखते हैं और महसूस करते हैं। बिना डायलॉग के भी भावनाएं जाहिर करनी होती हैं, यही इसकी खूबसूरती है। यह मेरे लिए जितना चुनौतीपूर्ण था, उतनी ही रोमांचक भी। अदिति हमेशा गहरे, सच्चे और अर्थपूर्ण किरदारों वाली कहानियां चुनती हैं। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर का पांच साल का बच्चा आज भी जिंदा है, जो सपने देखता है, उन पर भरोसा करता है और उन्हें पूरा करने की कोशिश करता है। यही सकारात्मक सोच उन्हें सही स्क्रिप्ट्स और निर्देशकों का इंतजार करने की ताकत देती है। उन्होंने कहा, मुझे अच्छी स्क्रिप्ट्स अक्सर नहीं मिलतीं, लेकिन मैं उनका इंतजार करती हूं और उन निर्देशकों का भी, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं शिकायत नहीं करती, क्योंकि वो मौके आखिरकार आते ही हैं। फिल्म में अदिति राव हैदरी के साथ विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि फिल्म के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी। गांधी टॉक्स के अलावा अदिति की एक और रोमांचक प्रोजेक्ट इम्तियाज अली की ओ साथी रे है, जो एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज है। इसमें उनके साथ अर्जुन रामपाल और अविनाश तिवारी नजर आएंगे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर आने वाली है और समकालीन समय में पुरानी भावनाओं वाले प्यार की कहानी कहती है।

अखिल अक्किनेनी स्टारर लेनिन की भावपूर्ण ट्रैक वारे वारे वा जारी, ग्रीष्मकालीन रिलीज के लिए तैयार है फिल्म

फिल्म लेनिन के निर्माताओं ने मधुर रोमांटिक गीत वारे वा वारे वा जारी किया है, जो संगीत प्रेमियों के दिलों को छू रहा है। श्वेता मोहन और जुबिन नौटियाल द्वारा खूबसूरती से गाए गए इस गीत में भावपूर्ण गायन और गहरी भावनाएं झलकती हैं। गीतकार अनंत श्रीराम ने इसमें काव्यात्मक स्पर्श जोड़कर गीत के रोमांटिक आकर्षण को और भी बढ़ा दिया है। थमन एस द्वारा रचित यह गीत फिल्म के भावनात्मक सार को खूबसूरती से व्यक्त करता है। संगीत मुख्य जोड़ी के बीच पर्दे पर दिखाई देने वाली केमिस्ट्री को और निखारता है और कहानी के माहौल को और भी रोमांचक बना देता है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ जाती है। अपनी मधुर धुन और दिल को छू लेने वाली प्रस्तुति के साथ, वारे वा वारे वा को एल्बम में एक उत्कृष्ट रचना के रूप में सराहा जा रहा है।लगभग 70त्न शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म लेनिन तेजी से आगे बढ़ रही है। फिल्म गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण मनम एंटरप्राइजेज एलएलपी और सितारा एंटरटेनमेंट्स ने किया है और इसे अन्नपूर्णा स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। मुरली किशोर अब्बुरु द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अखिल अक्कीनेनी और भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

2026 की गर्मी में होगा धमाका, धमाल 4 की रिलीज डेट आउट, वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है से होगा सामना

अजय देवगन ने बीते साल मुंबई में अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा फिल्म धमाल 4 की शूटिंग पूरी की थी और नए अंदाज में फिल्म का एलान किया था. मेकर्स ने 6 सितंबर 2025 को फिल्म धमाल 4 की स्टार कास्ट के फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर शूटिंग के खत्म होने का ऐलान किया था. इसके बाद से दर्शकों को इसकी रिलीज डेट का इंतजार था, जो खत्म हो गया है. जी हां धमाल 4 की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है और फिल्म इस गर्मी सिनेमाघरों में और भी ज्यादा गर्मी बढ़ाने वाली है. फिल्म में अजय देवगन के साथ-साथ अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमाय, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख और अंजलि अहम रोल में नजर आने वाले हैं. वहीं, पोस्टर से शरद केलकर और विजय पटकर गायब नजर आए थे. मुंबई में शूटिंग के अलावा फिल्म का पहला सेट मलशेज घाट पर लगा था. बता दें, फिल्म को एक थीम दी गई और इनके किरदार को मास्टर्स ऑफ मिसचीफ एंड लाफ्टर का टैग दिया गया. सभी स्टार्स अपने फर्स्ट लुक में शॉकिंग नजर आए थे. अपने पिछली किश्तों की तरह धमाल 4 भी ड्रामा, एक्शन, भगदड़ और कॉमेडी का मिक्सअप होने वाली है. फिल्म का पहला पार्ट धमाल साल 2007 में आया था और जिसे दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला था. इस फिल्म को दर्शक आज भी नहीं भूले हैं. फिल्म के पहले

पार्ट में अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, आशीष चौधरी और संजय दत्त अहम रोल में नजर आए थे. फिल्म का सीक्वल डबल धमाल 2011 में आया था. पहली फिल्म की स्टाकास्ट के साथ फिल्म में कंगना रनौत और मल्लिका शेरावत भी एंट्री हुई थी. वहीं, टोटल धमाल में अजय के साथ अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, ईशा गुप्ता और बोमन ईरानी नजर आए थे. गुलशन कुमार और टी-सीरीज की पेशकश को फिल्म देवगन फिल्म्स, टी-सीरीज फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पनोरमा स्टूडियोज प्रोडक्शन के साथ मिलकर बनाया गया है. धमाल 4 का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है और फिल्म 12 जून 2026 के मौके पर रिलीज होगी. वहीं, इससे पहले 5 जून को वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है रिलीज होगी.

क्राइम थ्रिलर की बाप निकली किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क, जिसका एक्शन देख खुला रह जाएगा मुंह, हर सीन है जबरदस्त

साउथ सिनेमा की ये एक्शन-थ्रिलर फिल्म आपके वीकेंड की बेस्ट चॉइस साबित हो सकती है, जिसमें आपको बहुत कुछ देखने को मिलने वाला है। ये साउथ की वो फिल्म है, जिसकी कहानी आपको पूरे 2 घंटे 24 मिनट तक स्क्रीन से बंदे रखेंगी। थ्रिल, इमोशन और सस्पेंस से भरी ये फिल्म अपने एक्शन की वजह से जबरदस्त चर्चा में रही है। धुरंधर में जिस तरह बॉम्ब ब्लास्ट, मारपीट से लेकर खतरनाक खून खराबा देखने को मिला। उसी तरह ये फिल्म भी एक्शन से भरपूर है। हम बात कर रहे हैं, कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एक्शन-थ्रिलर फिल्म मार्क की, जो थिएटर में रिलीज होने के बाद से ही फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा बटोरी है। इस फिल्म का हर एक्शन सीन केजीएफ और लियो जैसी फिल्मों को कड़ी टक्कर देता है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और जबरदस्त एक्टिंग के लिए जाने जाने वाले सुदीप ने मार्क से तहलका मचा दिया है। मार्क एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसे विजय कार्तिकेय ने डायरेक्ट और लिखा है। फिल्म में सुदीप लीड रोल में हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ओटीटी 23 जनवरी को जिओ हॉटस्टार पर दस्तक देने वाली है। अब कई दर्शक यह जानने के लिए बेताब हैं कि वे इस फिल्म को ऑनलाइन कब और कहां देख सकते हैं। मार्क एक हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर है जो सस्पेंस, इमोशन और स्टाइलिश एक्शन का मिश्रण है। यह फिल्म पॉलिटिकल साजिश और भ्रष्टाचार, विजिलेंट जस्टिस और लॉ एनफोर्समेंट, पर्सनल दांव और हाई-ऑक्टेन एक्शन-सस्पेंस जैसे विषयों पर आधारित है। फिल्म मार्क में किच्चा सुदीप हैं और इसकी कहानी अजय मार्कंडेय (मार्क) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक सस्पेंड पुलिस ऑफिसर है और 20 लापता बच्चों को बचाने की कोशिश करता है। अपनी इस कोशिश में वह ड्रग ट्रैफिकिंग, राजनीतिक भ्रष्टाचार और भद्रा नाम के एक बेरहम गैंगस्टर से जुड़ी एक बड़ी साजिश का खुलासा करता है। साथ ही खुद को बेगुनाह साबित करने और बेंगलुरु और कर्नाटक में प्रभावशाली नेटवर्क का पर्दाफाश करने की कोशिश करता है। फिल्म में एसपी अजय मार्कंडेय के रूप में सुदीपा, आदिकेशव के रूप में शाइन टॉम चाको, भद्र के रोल में नवीन चंद्र, स्टीफन राज ने गुरु सोमसुंदरम और कैमियो रोल में निश्विका नायडू, संचना के किरदार में रोशनी प्रकाश, गोपालकृष्ण देशपांडे, महंतेश हीरेमथ, कृष्णा प्रिया, ड्रैगन मंजू और देव गिल भी शामिल हैं।

कंगना ने किया मसाबा गुप्ता के साथ हुए भेदभाव का खुलासा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने एक लंबा पोस्ट शेयर किया, जिसमें फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता के साथ हुए भेदभाव का खुलासा किया है। ताजा पोस्ट में कंगना ने फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता के कपड़े पहनने से जुड़े पुराने अनुभव का खुलासा करते हुए बताया कि जब वह अपनी फिल्म 'तेजस' के प्रमोशन के दौरान राम जन्मभूमि दर्शन के लिए जा रही थीं, उन्होंने उसी स्टाइलिस्ट से मदद मांगी जो उन्हें फिल्म इवेंट्स के लिए स्टाइल कर रही थी। उन्होंने पूछा कि क्यों मशहूर डिजाइनर और उनके ब्रांड उनके तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर नहीं करते। कंगना ने लिखा कि कई डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स ने उन्हें अपने हैंडल्स से बैन कर रखा था, लेकिन मसाबा गुप्ता के साथ हुई घटना ने उन्हें सबसे ज्यादा दुख पहुंचाया। कंगना ने आगे बताया कि मसाबा ने उनके प्रमोशन के लिए कपड़े स्टाइलिस्ट को भेजे थे, लेकिन जब उन्हें पता चला कि यह राम जन्मभूमि दर्शन के लिए है, तो उन्होंने स्टाइलिस्ट से कहा कि वह उनके कपड़े का इस्तेमाल न करें। स्टाइलिस्ट ने कंगना से चुपके से कहा कि वह मसाबा या उनके ब्रांड को टैग न करें और बताया कि उसने साड़ी की कीमत अपनी जेब से चुकाई है। कंगना ने कहा कि जब तक उन्हें यह जानकारी मिली, तब तक वह तैयार होकर दर्शन स्थल जा रही थीं, लेकिन इस पूरे अनुभव को पचाना उनके लिए बहुत मुश्किल था। कंगना ने इस अनुभव को नफरत, कड़वाहट और भेदभाव से जोड़ते हुए लिखा कि इस तरह की घटनाएं कितनी गंदी और दुखद होती हैं। उनका कहना है कि आज भी इस याद को सोचकर उन्हें उल्टी जैसा महसूस होता है। कंगना के इस पोस्ट के बाद ट्विटर और एक्स पर उनके फैंस और आलोचक दोनों ने प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। कई लोग उनकी ईमानदारी की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि फिल्म इंडस्ट्री में भेदभाव के मुद्दे कितने गंभीर हैं। कंगना ने लिखा कि इस घटना ने उन्हें गहरी चोट पहुंचाई और आज भी भेदभाव की याद उन्हें परेशान करती है।

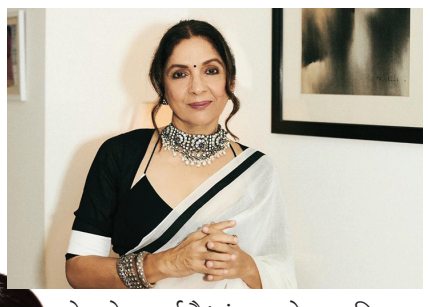

रामायण का पोस्टर 27 मार्च को होगा जारी? श्रीराम बनकर दर्शन देंगे रणबीर कपूर

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का ऐलान जब से हुआ है लोग इसे देखने के लिए उतावले हैं। पिछले साल नितेश तिवारी ने इस बहुचर्चित महाकाव्य का घोषणा टीजर जारी किया था जिसमें श्रीराम बने रणबीर की हल्की सी झलक देखने को मिली थी। 2026 में पहली कड़ी के साथ रिलीज होने वाली इस फिल्म पर मार्च में अपडेट मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रामायण का पहला पोस्टर खास दिन पर जारी करने की योजना बनाई जा रही है। रामायण निर्माता अपनी महत्वकांक्षी परियोजना पर लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन फिल्म का पोस्टर अभी जारी नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 27 मार्च को रणबीर और यश अभिनीत रामायण का पहला पोस्टर जारी किया जाएगा। इसके साथ ही लोगों की फिल्म की भव्यता की पहली झलक देखने को मिलेगी। हालांकि, निर्माताओं ने अभी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। पहले चर्चा थी कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर निर्माता कुछ अपडेट दे सकते हैं। दिवाली, 2026 में

रिलीज होने वाली फिल्म रामायण में श्रीराम के किरदार में रणबीर और माता सीता के किरदार में साई पल्लवी हैं। रावण का किरदार यश निभा रहे हैं। इसके अलावा, सनी देओल हनुमान के किरदार में, रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में, लारा दत्ता कैकेयी के रूम में और राजा दशरथ के किरदार में अरुण गोविल हैं। फिल्म को 2 भागों में रिलीज किया जाएगा। रामायणः पार्ट 1 का बजट 800 करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है।

Alcohol, sugary drinks stay cheap in India as WHO flags weak taxes in South-East Asia

New Delhi,Agency: Despite strong evidence linking alcohol and sugar-sweetened beverages to cancers, liver disease, obesity, diabetes, heart disease and road injuries, both products are becoming more affordable in India, the World Health Organisation (WHO) has warned, calling weak tax design across South-East Asia a major public-health failure.Across two recent global reports, the WHO ranks South-East Asia — including India — among the weakest regions on health-oriented taxation. While taxes exist, they have failed to curb consumption because they are not linked to alcohol strength or sugar content, nor adjusted for inflation or rising incomes. As a result, prices fall in real terms even as health harms rise.

On alcohol, the Global Report on Alcohol and Health and Treatment of Substance Use Disorders notes that only about one-quarter of countries worldwide automatically adjust excise taxes for inflation. South-East Asia performs especially poorly on alcohol-content–based taxation, which WHO considers the most effective deterrent. Instead, flat or category-based taxes allow high-strength alcohol and binge drinking to remain affordable.Doctors say the consequences are already visible. Dr Sharad Malhotra, Senior

Consultant & Director, Gastroenterology and Hepatology, Aakash Healthcare, said hospitals are seeing younger patients with advanced liver disease, alcohol-related cancers, heart problems and mental health disorders linked to heavy drinking. Rising incomes, celebrity promotion and peer pressure, he warned, are fuelling binge drinking among youth. “When alcohol keeps getting cheaper, we are effectively subsidising future disease and premature deaths,” he said.

WHO identifies alcohol as a leading risk factor for premature death and disability, contributing to liver cirrhosis, cancers, cardiovascular disease, injuries and violence. The burden is shifting rapidly to low- and middle-income countries like India, where consumption is rising faster than policy responses.

A similar pattern is seen with sugary drinks. The WHO Global Report on the Use of Sugar-Sweetened Beverage Taxes 2025 found that the median total tax on a 330-ml sugary carbonated drink in South-East Asia is about 22.7%, but most of this comes from GST or VAT — broad consumption taxes that do little to reduce intake. The excise component remains weak.

Excise taxes on sugary drinks exist in six of eight South-East Asia countries, including India, but levels are too low to significantly reduce consumption. Rising incomes have again outpaced price increases, making sugary drinks progressively cheaper.

Dr Anoop Misra of Fortis C-DOC said sugary drinks are driving obesity, type-2 diabetes and heart disease, increasingly in adolescents and young adults, warning that many packaged fruit juices contain as much sugar as soft drinks. WHO says weak tax design blunts impact, as fruit juices, sweetened milk drinks and ready-to-drink teas and coffees are often lightly taxed, allowing consumers to switch products rather than cut intake. Only 25% of countries tax sugary drinks based on sugar content. Consumer policy expert Prof Bejon Kumar Misra of Healthy You Foundation said India’s GST-heavy approach weakens the health signal. “

As Poland courts Pakistan, India advises zero tolerance for terror

New Delhi,Agency: Amid Poland's efforts to step up ties with Pakistan, external affairs minister S Jaishankar told his visiting Polish counterpart Radoslaw Sikorski that Poland should display zero-tolerance for terrorism instead of fuelling the terrorist infrastructure in India's neighbourhood. Warsaw has been looking to expand its trade, defence and energy ties with Pakistan and Sikorski visited Islamabad in Oct last year to further scale up bilateral cooperation. Jaishankar told him he was no stranger to this part of the world and was also familiar with the longstanding challenge of cross-border terrorism. "Poland should display zero-tolerance for terrorism and not help fuel the terrorist infrastructure in our neighbourhood," he said. The meeting also saw India's discord with Europe on the Russia-Ukraine war spill out in the open as Jaishankar stressed that selective targeting of India on the Ukraine issue is unfair and unjustified.

'Contempt of court': SC irked by Maneka Gandhi's criticism of its order in stray dog case

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Tuesday expressed displeasure over former Union minister Maneka Gandhi's remarks criticising apex court orders in the stray dog issue, stating that she has committed contempt of court.

A Bench of Justices Vikram Nath, Sandeep Mehta and N V Anjaria said the former minister has made "all kinds of comments" against everyone without even thinking.

Questioning senior advocate Raju Ramachandran who appeared for Gandhi, the bench said, "You said the court should be circumspect in its remark but have you asked your client what kind of remarks she has made? Have you heard her podcast? She has made all kinds of remarks against everybody without even thinking. Have you seen her body language?"

The Bench said it was not initiating contempt proceedings against the former Union minister because of the court's magnanimity.

Justice Mehta asked Ramachandran what budgetary allocation has Maneka Gandhi, as a former Union minister, helped in getting to eradi-

cate the stray dog problem. Ramachandran replied that he has appeared even on behalf of terrorist Ajmal Kasab and budgetary allocation is a policy matter.

"Ajmal Kasab did not commit contempt of court but your client has," Justice Nath remarked.

The Bench said its remark on making dog feeders accountable was not made sarcastically but on a serious note, although during a dialogue while hearing the matter.

The hearing in the case is still underway.

On January 13, the top court had said it will ask states to pay a "heavy compensation" for dog bite incidents and hold dog feeders accountable for such cases.

The court also flagged concerns over the non-implementation of norms on stray animals for the last five years.

Boost for defence exports as Rajnath flags off 1st batch of Pinaka guided rockets for Armenia

New Delhi,Agency: In a big boost for India’s arms exports, defence minister Rajnath Singh on Sunday flagged off from a facility in Nagpur the first batch of guided Pinaka rocket system bound for Armenia.

The export of the multi-barrel rocket launcher, renowned for its accuracy and extended range, signalled India's emergence as a reliable supplier of cutting-edge defence technology. The Pinaka launchers, which are highly capable weapon systems with variants that can strike targets at up to 75 km -- the latest trial version can even touch a range of 120km -- have been increasingly promoted by India as part of its growing arms exports. Rajnath said the export of Pinaka missiles developed at Solar Defence & Aerospace facility have begun, demonstrating the capabilities of the defence industry. “India is no longer just an importer but is rapidly moving towards becoming an

exporter,” he said. The minister said that due to increasing participation of the private sector, India's defence exports, which were at less than Rs 1,000 crore 10 years ago, have now reached a record Rs 24,000 crore. Domestic defence production, which stood at just Rs 46,425 crore in 2014, has grown to a record Rs 1.51 lakh crore now, he added.

The Indian Army has already inducted Pinaka Mk-I Enhanced variant (EPRS) after successfully completing trials in April 2022.

Hope against Chikungunya: ICMR steps in as cases rise across India

New Delhi,Agency: With Chikungunya continuing to leave thousands of Indians with prolonged and debilitating joint pain, the Indian Council of Medical Research (ICMR) has moved to fast-track a potential antiviral treatment, inviting Indian companies to help develop and manufacture an experimental RNA-based therapy.

The initiative comes amid a sustained disease burden. World Health Organisation surveillance data show India recorded over 30,000 suspected Chikungunya cases and nearly 1,800 laboratory-confirmed cases between January and March 2025, with Maharashtra, Karnataka and Tamil Nadu among the worst-affected states.

Against this backdrop, scientists at ICMR’s National Institute of Virology (NIV), Pune, have developed an experimental RNA-interference–based therapy that directly targets the Chikungunya virus. In pre-clinical studies, the treatment completely suppressed viral replication in laboratory cell lines and mouse models by silencing two essential viral genes — E2 and nsP1.

The findings have prompted ICMR to offer the technology for transfer to industry.

Explaining its significance, Dr Ekta Gupta, Professor of Clinical Virology at ILBS, New Delhi, said, “RNA interference blocks viral protein formation by targeting messenger RNA. In Chikungunya, NIV’s RNAi approach targeting E2 and nsP1 has shown complete viral suppression in vivo with a single dose.

While laboratory results are encouraging, clinical trials are needed. This is important because there is currently no vaccine or antiviral for a disease that causes significant morbidity in parts of the country.”

High drama in Tamil Nadu assembly: Governor R N Ravi walks out; alleges 'national anthem insulted'

New Delhi,Agency: Tamil Nadu governor RN Ravi walked out of the state assembly on Tuesday before delivering his inaugural address, expressing disappointment over what he said was a lack of respect for the national anthem.

He also claimed that his microphone was switched off during the proceedings.“I am disappointed. National Anthem was not given due respect,” the governor said. He added that “it is unfortunate that his speech was interrupted.”

Inside the House, the situation led to a sharp exchange, with assembly Speaker M Appavu urging the governor to follow established rules and customs of the assembly.

Later, Raj Bhavan issued a press release explaining the reasons behind the governor’s walkout. “The governor’s mic was repeatedly switched off, and he was not allowed to speak,” the

statement said. It also claimed that issues such as “atrocities against Dalits and sexual violence against Dalit women are sharply increasing,” but were “totally bypassed in the speech.”

The release further alleged that the “National Anthem is yet again insulted, and the Fundamental Constitutional Duty is disregarded.”

Meanwhile, AIADMK general secretary and leader of opposition in assembly Edappadi Palaniswamy raised slogans with party leaders at the entrance of assembly after they walked out from the House over law and order issues in Tamil Nadu.

This was not the first such incident. A similar episode took place last year when governor Ravi walked out of the Assembly in what he described as “deep anguish,” alleging that the “constitution of Bharat” and the National Anthem were insulted.

With Assembly elections drawing closer, the session is being viewed as politically crucial. Opposition parties, including the AIADMK and the BJP, are expected to level several allegations against the ruling party and the state government.

Chief minister M K Stalin and his Cabinet colleagues are preparing to counter the attacks, setting the stage for a tense and politically charged assembly session.

Punjab government approves modernisation of bus terminals in five districtsl

Chandigrah,Agency; The Punjab government has approved the modernisation of bus terminals in Ludhiana, Jalandhar, Sangrur, Patiala and Bathinda through a structured Public Private Partnership (PPP) model to strengthen public transport infrastructure.

Transport Minister Laljit Singh Bhullar said on Saturday the decision was taken under the leadership of Chief Minister Bhagwant Singh Mann with the objective of improving passenger facilities, safety, accessibility and overall efficiency at major transport hubs.

He said the bus terminals serve as key connectivity points for both rural and urban populations and play an important role in inter-state

travel to neighbouring states of Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Haryana, Delhi and Rajasthan.

According to the minister, Ludhiana and Jalandhar bus terminals handle between 75,000 and one lakh passengers daily, while Patiala and Bathinda witness footfall of around 50,000 passengers every day. Bhullar said the projects will be implemented under Design-Build-Finance-Operate-Transfer or Build-Operate-Transfer models to ensure quality services while maintaining fiscal prudence.

The modernisation will focus on improving waiting areas, sanitation facilities, lighting, signage, organised boarding systems and parking arrangements, along with better crowd management during peak hours. He said provisions for barrier-free access will be included to ensure ease of movement for senior citizens and persons with disabilities.

List WB voters with ‘logical discrepancy’: SC to poll panel

New Delhi,Agency: As almost 1.4 crore West Bengal voters face “logical discrepancy” notices requiring submission of documentary proof for the special intensive revision (SIR), Supreme Court ordered the Election Commission on Monday to display the list of such people in panchayat and block offices and gave them 10 more days to furnish documents to establish their credentials for inclusion in the state electoral rolls. Given the size of work and incidence of violence against EC officials conducting the drive in West Bengal, a bench of CJI Surya Kant and Justices Dipankar Datta and Joymalya Bagchi asked the state to provide manpower as required by EC and directed the DGP to ensure maintenance of law and order for smooth conduct of the exercise.